RNI No.-UPHIN2016/70155

के.डी.न्यूज

KD NEWS आज कल तक

हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष :7 अंक : 46 सुलतानपुर शुक्रवार 14 अप्रैल 2023 पृष्ठः 8 मूल्यः 3.00 रूपये

अतीक अहमद के बेटे असद का एनकाउंटर सीएम योगी ने की अफसरों की तारीफ, बैठक कर कानून व्यवस्था का लिया जायजा

संवाददाता। लखनऊ अतीक अहमद के बेटे असद का एनकाउंटर करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों के साथ बैठक की और कानून व्यवस्था का जायजा लिया। उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रहा माफिया अतीक अहमद का बेटा असद अहमद और शूटर गुलाम के एनकाउंटर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अधिकारियों की तारीफ की और वरिष्ठ अफसरों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री योगी ने यूपीएसटीएफ के साथ, यूपी डीजीपी, स्पेशल डीजी और पूरी पुलिस टीम की सराहना की। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने इस एनकाउंटर की जानकारी

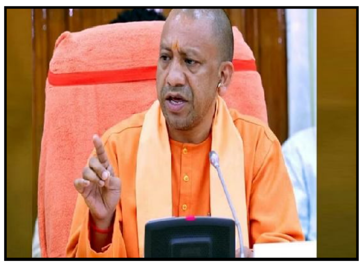

मुख्यमंत्री योगी को दी। इस पूरे मामले की रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी को सौंप दी गई है। इस पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हम कानून व्यवस्था के मुद्दे पर बिल्कुल भी समझौता नहीं करेंगे। एक–एक माफिया को मिट्टी में मिलाकर ही दम लेंगे। उन्होंने कहा कि एक अपराधी का ऐसा अंजाम बताता है कि माता–पिता को ध्यान रखना चाहिए कि वो बच्चों को अपराधी नहीं बनाएंगे और उन्होंने अपराधी नहीं बनाया होता तो अतीक के बेटे का भी ऐसा अंजाम नहीं होता। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि किसी भी माफिया को बख्शा नहीं जाएगा। उसे कठोर से कठोर सजा मिलेगी। योगी सरकार जनता को सुरक्षित शासन देने के लिए प्रतिबद्घ है। अतीक अहमद का पुत्र असद उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रहा था और पांच लाख रुपये का इनामी था। असद अपने साथी मकसूद के साथ एसटीएफ की मुठभेड़ के दौरान ढेर हो गया।

कानून व्यवस्था सीएम योगी की प्राथमिकता, वीके सिंह ने कहा– कोई भागता है तो कार्रवाई की जाएगी

संवाददाता

लखनऊ वीके सिंह ने कहा कि अगर कोई भागता है और कानून से भागने की कोशिश करता है तो कार्रवाई की जाएगी। अगर झांसी में कार्रवाई हुई तो मैं पुलिस को बधाई देना चाहता हूं।

अगर जिन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे, जो लोग कानून से भागने की कोशिश कर रहे थे और कार्रवाई में लिप्त थे। केंद्रीय मंत्री जनरल वी के सिंह (सेवानिवृत्त) ने यूपी के सीएम की पहले की ष्माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगेष टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कानून व्यवस्था सीएम योगी की प्राथमिकता है। वह यही रास्ता अपना रहा है। इससे ज्यादा हमें देखना या बोलना नहीं चाहिए। तरह–तरह की शब्दावली चलती है, राजनीति में तरह–तरह के शब्दों का इस्तेमाल होता है। लेकिन मुख्य बात कानून और व्यवस्था है। वीके सिंह ने कहा कि अगर कोई भागता है और कानून से भागने की कोशिश करता है तो कार्रवाई की जाएगी। अगर झांसी में कार्रवाई हुई तो मैं पुलिस को बधाई देना चाहता हूं। अगर जिन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे, जो लोग कानून से भागने की कोशिश कर रहे थे और कार्रवाई में लिप्त थे, जिसके कारण पुलिस फायरिंग हुई और उस दौरान उनकी मृत्यु हो गई, तो ऐसा पुलिस कार्रवाई में होता है। विशेष अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्ध्यवस्ध्था) प्रशांत कुमार ने कहा, ”प्रयागराज में उमेश पाल हत्ध्याकांड में वांछित असद अहमद और गुलाम पांच–पांच लाख रुपये के इनामी बदमाश थे। दोनों की झांसी में एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मौत हो गई।

देश के 71 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार, पीएम मोदी ने सौंपे नियुक्ति पत्र

एजेंसी।

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को रोजगार मेलाच के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 71,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री

नियुक्त किए गए लोगों को संबोधित भी किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, श्आज 70 हजार से ज्यादा युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में नौकरी मिली है। आप सभी युवाओं को, आपके परिजनों को बहुत–बहुत बधाई। हमारी सरकार विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा को सही अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। आज का नया भारत, अब जिस नई नीति और रणनाति पर चल रहा है, उसने देश में नई संभावनाओं और नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, श्ह्ष्ढ और बीजेपी शासित राज्यों में तेजी से रोजगार दिए जा रहे हैं। ये आज का रोजगार मेला भी इसी कड़ी में एक बड़ी सौगात है। पूरी दुनिया कोविड के बाद मंदी से जूझ रही है, ज्यादातर देशों की अर्थव्यवस्था गिर रही है, लेकिन इस सबके बीच भारत को दुनिया एक ब्राइट स्पॉट के तौर पर देख रही है। पीएम मोदी ने इस दौरान पिछली सरकारों पर हमला करते हुए कहा, श्एक समय था जब भारत टेक्नोलॉजी हो या इंफ्रास्ट्रक्चर, सबमें रिएक्टिव अप्रोच के साथ काम करता था, लेकिन अब 2014 के बाद से प्रो–एक्टिव अप्रोच अपनाई है। इसका नतीजा ये हुआ कि 21वीं सदी का ये तीसरा दशक, रोजगार और स्वरोजगार वो अवसर पैदा कर रहा है, जिनकी पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, श्इस दौरान रोजगार के तमाम अवसर बन रहे हैं। स्टार्ट अप को लेकर भारतीय युवाओं में गजब का उत्साह है। इसके जरिये डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तमाम तरीके से रोजगार के अवसर बने। ड्रोन इंडस्ट्री में देश आगे बढ़ रहा है। स्पोर्टस के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन, खेल संबंधी बजट में बढ़ोतरी की गई है। प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही कहा, श्8–9 सालों में भारत में 30 हजार एलएचबी कोच बने। इससे तमाम रोजगार के अवसर बने। खिलौना उत्पादन के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बन रहा है और आज स्वदेशी खिलौने बनाए जा रहे हैं। अब भारत में सैन्य हथियार बनेंगे, और भारतीय कंपनियों से ही खरीदे जाएंगे, इससे रोजगार के हजारों अवसर पैदा हुए। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 के समय ज्यादातर मोबाइल फोन इम्पोर्ट किए जाते थे। आज अगर 2014 से पहले वाली स्थिति होती तो करोड़ो रुपये फारेक्स में बर्बाद होते। आज भारत में मोबाइल बन रहे और हम बाहर एक्पोर्ट भी कर रहे हैं। वहीं रेल, सड़क आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, श्हमारी सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए जानी जाती है। हमारी सरकार में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट 4 गुना बढ़ा है। अभी हम हर महीने 6 किलोमीटर की मेट्रो लाइन बना रहे हैं।

अतीक अहमद के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई, 15 ठिकानों पर रेड, 75 लाख की नकदी– करोड़ों के दस्तावेज बरामद

संवाददाता।

प्रयागराज । उमेश पाल हत्याकांड में फंसे कुख्यात माफिया अतीक अहमद के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने अतीक के 15 ठिकानों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाकर करीब 75 लाख की देशी और विदेशी करंसी बरामद की है। इसके अलावा करोड़ों रुपये कीमत की जमीनों के दस्तावेज भी बरामद किए हैं। दावा किया जा रहा है कि यह सारी जमीनें अतीक अहमद की बेनामी संपत्तियां हैं और इन्हें अपराध के जरिए अर्जित किया गया था।

ईडी और इनकम टैक्स विभाग की इस जांच में पता चला है कि अतीक अहमद ने बिल्डर्स, बड़े बिजनेसमैन व प्रॉपर्टी डीलर्स के माध्यम से अपनी ब्लैक मनी को व्हाइट किया है। इसके अलावा अतीक और उसके करीबियों के ठिकानों से कई जमीनों की रजिस्ट्री और कई कंपनियों के दस्तावेज मिले हैं। इनमें करोड़ों की बेसकीमती जमीन अतीक ने अपने करीबियों के नाम करा रखी है।

इसी प्रकार विभिन्न कंपनियों के दस्तावेज से पता चला है कि अतीक के परिजन और उसके कुछ

रिश्तेदार इन कंपनियों में एमडी से लेकर डायरेक्टर तक हैं।एक कंपनी दस्तावेज में अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन और बड़ा बेटा उमर डायरेक्टर है। इसी प्रकार इस जांच में अतीक के ठिकानों से 55 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध ट्रांजैक्शन के सबूत मिले हैं। इस संबंध में ईडी के अधिकारियों ने अतीक के करीबियों से पूछताछ की। इसमें पता चला कि यह सारी कंपनियां डमी हैं। इनमें पैसा लगाने वाले भी अलग अलग लोग हैं। बता दें कि ईडी और इनकम टैक्स की टीम ने अतीक के करीबियों के ठिकानों पर उस समय दबिश दी, जब सब लोग सो रहे थे।

सभी स्थानों पर सुबह पांच बजे जब ईडी की टीम ने दरवाजा खटखटाया तो लोग आंख मलते हुए बाहर निकले, वहीं जैसे ही ईडी के अधिकारियों ने अपना परिचय दिया, उनकी नींद काफूर हो गई। बता दें कि ठीक उसी समय साबरमती जेल से अतीक अहमद को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस प्रयागराज आ रही थी। ईडी सूत्रों के मुताबिक करीब 100 से अधिक प्रॉपर्टी के कागजात मिले हैं। इसके अलावा करीब 200 बैंक अकाउंट भी संदिग्ध मिले हैं। इन बैंक खातों से हर महीने मोटी रकम को इधर से उधर किया गया है।

2008 जयपुर सीरियल ब्लास्ट केस पीड़ितों के परिवारों ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा

एजेंसी।

नई दिल्ली कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए पीड़ित परिवारों के साथ विपक्ष के नेता (LoP) राजेंद्र राठौर ने राष्ट्रीय राजधानी में वकीलों से मुलाकात की थी। याचिका का मसौदा तैयार करने वाले पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि निचली अदालत और उच्च न्यायालय के फैसलों में कई खामियां हैं।

सम्पादकीय

नाम में जो रखा है

यह चीन भी जानता है कि उसके कुछ स्थानों के नाम बदल देने से अरुणाचल प्रदेश की स्थिति में वास्तव में कोई बदलाव आने नहीं वाला है। इसके बावजूद वह ऐसा करता है, तो इसके पीछे उसकी सोची–समझी रणनीति है।भारत ने यह उचित कहा है कि अरुणाचल प्रदेश में 11 जगहों के नाम बदलने के चीन के एलान से हकीकत में कुछ नहीं बदलेगा। भारत के इस बयान भी सटीक है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और रहेगा। इसके बावजूद नाम बदलने की घटना को हलके से लेना ठीक नहीं होगा। यह चीन भी जानता है कि उसके कुछ स्थानों के नाम बदल देने से अरुणाचल प्रदेश की स्थिति में वास्तव में कोई बदलाव आने नहीं वाला है। इसके बावजूद वह ऐसा करता है, तो इसके पीछे उसकी सोची–समझी रणनीति है। इसके जरिए वह इस प्रदेश पर अपना दावा गरम रखना चाहता है। इसका इस्तेमाल वह भारत से सीमा विवाद पर होने वाली वार्ता में सौदेबाजी के तौर पर करेगा। कुछ रोज पहले चीन की तरफ से एक बयान आया था, जिसमें कहा गया कि लद्दाख इलाके में तीन साल पहले सीमा पर जो अस्थिरता बनी थी, वह अब दूर हो गई है। यानी चीन यह मान रहा है कि लद्दाख की तरफ अब कोई समस्या नहीं है। इसलिए वह सीमा के पूर्वी तरफ स्थिति को गरमा रहा है। पश्चिम में उठे विवाद पर भारत सरकार मजबूती दिखाने में विफल रही। यहां तक कि प्रधानमंत्री ने यह कह दिया कि सीमा पर कोई घुसपैठ नहीं हुई है। इससे चीन का काम आसान हो गया। लेकिन उससे चीन के इरादे शांत नहीं हुए। चीन का मनोबल विदेश मंत्री के इस बयान से भी बढ़ा हो सकता है कि अपेक्षाकृत कमजोर अर्थव्यवस्था वाला भारत मजबूत चीन से युद्ध नहीं कर सकता। तो अब अरुणाचल में उसका असर देखने को मिला है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश में 11 भौगोलिक रचनाओं के चीनी नामों की घोषणा की है। चीन अरुणाचल को तिब्बत का दक्षिणी हिस्सा श्जांगनान्य कहता है और उसे अपना हिस्सा मानता है। प्रदेश को लेकर चीन की यह तीसरी सूची है। चीन सरकार ने इस तरह के छह स्थानों के चीनी नामों की सूची पहली बार 2017 में जारी की थी। कुल मिलाकर चीन अभी तक इस तरह अरुणाचल के 32 स्थानों की चीनी नामों की सूची जारी कर चुका है।

किस अवांछित कारोबारी से मिलते हैं राहुल ?

यह बहुत गंभीर आरोप है कि राहुल गांधी विदेश जाते हैं तो अवांछित कारोबारियों से मिलते हैं। कांग्रेस छोडने वाले गुलाम नबी आजाद ने यह आरोप लगाया है, जिस पर भाजपा ने राहुल को निशाना बनाया है और उनसे पूछा है कि वे बताएं कि जब वे विदेश जाते हैं तो किन कारोबारियों से मिलते हैं। आजाद ने दसों उदाहरण देने की बात कही है। हालांकि उन्होंने नाम किसी का नहीं लिया है। लेकिन अगर भाजपा ने राहुल पर हमला करने के लिए उनकी बात का संज्ञान लिया है तो क्या सरकार और केंद्रीय एजेंसियों को इसका संज्ञान नहीं लेना चाहिए? केंद्रीय एजेंसियों को संज्ञान लेकर आजाद से पूछताछ करनी चाहिए कि राहुल विदेश जाते हैं तो किन कारोबारियों से मिलते हैं और उसका क्या मकसत होता है। आजाद ने नेहरू गांधी परिवार के लोगों के कारोबारियों से मिलने के बात कही है लेकिन इसमें कोई दिक्कत नहीं है। असली दिक्कत वाली बात अवांछित कारोबारियों से मिलने की है, जिसके बाद भाजपा ने कहा कि विदेश से लौट कर राहुल केंद्र सरकार पर ज्यादा हमलावर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि विदेश में वे ऐसे अवांछित कारोबारी से मिलते हैं, जिसका एजेंडा भारत सरकार के विरोध का होता है। वह कारोबारी भारत का कोई नागरिक है या विदेशी नागरिक है? सरकार का विरोध कराने का उसका क्या एजेंडा है? इन सवालों के जवाब हासिल करने की जरूरत है। इसमें संदेह नहीं है कि अगर आजाद के पास ऐसी कोई जानकारी है तो वह भाजपा को और सरकार को मिल चुकी होगी। अब सवाल है कि उस जानकारी पर सरकार कब कार्रवाई करेगी? वह देशहित में तत्काल कार्रवाई करेगी या चुनाव का इंतजार करेगी?

भीमकाय तानाशाह पड़ोसी के साये में छोटे सा प्रजातंत्र!

श्रुति व्यास

चीन खघ्म ठोंक रहा है। शनिवार को उसने ताईवान के आसपास विशाल सैन्य अभ्यास शुरू किया। इस तीन दिन के ऑपरेशन युनाईटेड शार्प स्वार्ड में ताईवान की घेराबंदी का अभ्यास किया है। लड़ाकू विमान, युद्धपोत और सैनिकों की ताईवान स्ट्रेट के वायु तथा समुद्री क्षेत्रों में कूंच है। मतलब श्ताइवान के लिए कड़ी चेतावनीय । इधर ताईवान की राष्ट्रपति त्साई इंग–वेन अमेरिका गईं और वहां उनकी मुलाकात हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव्स के स्पीकर केविन मेकार्थी से हुई तो उधर चीन तिलमिलाया और उसने अपने गुस्से का इजहार करने के लिए ताइवान की घेराबंदी की। जाहिर है त्साई की यात्रा से चीन और अमेरिका के रिश्तों में कड़वाहट बढ़ी है वही ताईवान में भी अंदरूनी तनाव में इजाफा हुआ है। पिछले वर्ष भी अमेरिका की तत्कालीन स्पीकर नेन्सी पिलोसी की ताईवान यात्रा के बाद चीन ने ऐसे ही गुस्सा दिखाया था।चीन का दावा है कि ताईवान उसका हिस्सा है।

आरएलडी की मान्यता छिनने के बाद अब पश्चिमी यूपी में तेज होगी जाट वोट बैंक पर कब्जे की जंग

भारत निर्वाचन आयोग ने जिस राष्ट्रीय लोकदल से राज्य स्तर की पार्टी का दर्जा छीना है उसकी नींव पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह ने रखी थी। इस समय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत सिंह के पुत्र जयंत चौधरी हैं।उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव से पहले राष्ट्रीय लोकदल यानी आरएलडी की मान्यता खत्म होने से छोटे चौधरी जयंत सिंह की सियासत पर ग्रहण लग गया है। इसके साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री और दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने सहित कई सरकारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले किसान नेता चौधरी चरण सिंह के पौत्र जयंत चौधरी की राजनैतिक पारी पर यदि विराम लग जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। जयंत चौधरी के पास आगे की सियासत चलाने के लिए अब बहुत कम विकल्प बचे हैं। अब या तो वह अपनी पार्टी को किसी और समान विचारधारा वाले दल में समाहित कर लें या फिर पार्टी को पुनः खड़ा के लिए संघर्ष करें, जो आसान नहीं है। रालोद की क्षेत्रीय दल की मान्यता छिनने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में बड़ा उलटफेर हो सकता है। रालोद के वोटरों को अपने लिए नये विकल्प तलाशने होंगे। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के साथ बहुजन समाज पार्टी को भी फायदा हो सकता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत में करीब पांच दशकों के बाद ऐसा मौका आया है, जब चौधरी चरण सिंह के खानदान की राजनैतिक विरासत पूरी तरह से खत्म होती नजर आ रही है। भारत निर्वाचन आयोग ने जिस राष्ट्रीय लोकदल से राज्य स्तर की पार्टी का दर्जा छीना है उसकी नींव पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह ने रखी थी। इस समय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत सिंह के पुत्र जयंत चौधरी हैं। बताते चलें कि राष्ट्रीय लोकदल नाम की पार्टी बनाने का सपना सबसे पहले अजीत सिंह के पिता पूर्व कांग्रेस नेता चौधरी चरण सिंह ने 1974 के चुनाव में देखा था। उन्होंने ही लोकदल के नाम से पार्टी की मान्यता के लिए आवेदन किया। लेकिन मान्यता नहीं मिली। इसके कारण चौधरी चरण सिंह के उम्मीदवारों ने बीकेडी के बैनर से ही चुनाव लड़ा, लेकिन चुनावी सभाओं में लोकदल का नया बैनर भी लहराया जाता था। देश के कई दिग्गज कर्पूरी ठाकुर, बीजू पटनायक आदि इस दल में साथ रहे। इस चुनाव में इगलास व गंगीरी सीट बीकेडी ने जीती। इमरजेंसी के बाद सातों सीटों पर कब्जे का इतिहास भी 1977 में चरण सिंह के नेतृत्व में रचा गया। 1985 के चुनाव में लोकदल का उदय हुआ। पार्टी के बैनर पर इगलास व खैर सीट पर जीत दर्ज हुई। इसी चुनाव में मुलायम सिंह पार्टी में शामिल हुए। जातिवाद को बढ़ावा देने के आरोप से बचने के लिए मुलायम सिंह को विरोधी दल के नेता का जिम्मा और राजेंद्र सिंह को प्रदेशाध्यक्ष का जिम्मा दिया गया। 1989 के चुनाव में पिता के देहांत के बाद अजित सिंह के हाथ पार्टी की कमान आई। यह चुनाव जनता दल के बैनर तले लड़ा गया, लेकिन पार्टी अलीगढ़ में हार गई। सिर्फ एक खैर सीट जीत सकी। खुद राजेंद्र सिंह इगलास से चुनाव हार गए। तत्पशचात 1991 में राजेंद्र सिंह के एमएलसी बनने के बाद दोनों परिवारों में अलगाव के चलते लोकदल की विरासत को लेकर टकराव हुआ तो अजित सिंह ने जनता दल के बैनर तले प्रदेश में चुनाव लड़ा। अलीगढ़ जिले की खैर सीट पर जगवीर सिंह को जिताया। 1996 के चुनाव में मतभेद इस कदर दिखाई दिए कि अलीगढ़ की एक भी सीट अजित सिंह नहीं जीत सके। इस चुनाव के बाद राजेंद्र सिंह सियासत से पूरी तरह दूर हो गए। दोनों परिवारों में मतभेद के बीच कोर्ट के जरिये राजेंद्र सिंह के पुत्र सुनील सिंह को लोकदल का वारिसाना हक मिल गया। इसी के चलते अजित सिंह को 1996 में राष्ट्रीय लोकदल के नाम से नई पार्टी का गठन करना पड़ा, लेकिन चौधरी अजीत सिंह देश–प्रदेश की सियासत में कोई खास धमाका नहीं कर पाए। उनका सारा ध्यान जाट वोटरों पर लगा रहता था। अकेले दम पर चुनाव लड़ने से भी चौधरी अजीत सिंह बचते रहते थे। कुल मिलाकर चौधरी चरण सिंह की मौत के बाद उनके पुत्र अजीत सिंह और बाद में चरण सिंह के पौत्र जयंत सिंह अपने बाप–दादा की सियासत को बचा नहीं पाए। बात चौधरी चरण सिंह के सियासी रूतबे की कि जाए तो एक जाट परिवार में जन्मे, चरण सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन के हिस्से के रूप में राजनीति में प्रवेश किया। आजादी के बाद 1950 के दशक में भारतीय किसानों की भलाई के लिए नेहरू की समाजवादी और सामूहिक भूमि उपयोग नीतियों के खिलाफ लड़ाई का विरोध करने और जीतने के लिए वे विशेष रूप से उल्लेखनीय हो गए। वह सभी ग्रामीण और कृषक समुदायों के बीच बहुत लोकप्रिय थे, उनका राजनीतिक आधार पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा था। 1929 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए। भारतीय स्वतंत्रता के संघर्ष में उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। उन्होंने 1937 से संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) राज्य विधानसभा में सेवा की। फरवरी 1937 में वे 34 वर्ष की आयु में उत्तर प्रदेश (संयुक्त प्रांत) की विधान सभा के लिए चुने गए। 1938 में उन्होंने विधानसभा में एक कृषि उपज बाजार विधेयक पेश किया, जो 31 मार्च के दिल्ली के हिंदुस्तान टाइम्स के अंक में प्रकाशित हुआ था। 1938 के विधेयक का उद्देश्य व्यापारियों की लोलुपता के खिलाफ किसानों के हितों की रक्षा करना था। इस विधेयक को भारत, पंजाब के अधिकांश राज्यों द्वारा अपनाया गया था। 1940 में ऐसा करने वाला वह पहला राज्य था। इस प्रकार उनका राजनीतिक जीवन काश्तकारों के अधिकारों का समर्थन करते हुए कांग्रेस रैंकों के माध्यम से शुरू हुआ। प्रारंभिक कांग्रेस नीति के खिलाफ काम करते हुए और जबरदस्त जमींदार के प्रभाव से लड़ते हुए, उन्होंने भूमि के किसानों के स्वामित्व के लिए समर्थन जुटाया, सुधारों को लागू किया और किसानों पर कर वृद्धि को रोका। उन्होंने किसानों को एक आक्रामक राजनीतिक ताकत बनाने का काम किया।1967 में चरण सिंह ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी छोड़ दी और अपना एक नया राजनीतिक दल बनाया जिसे भारतीय क्रांति दल कहा गया। महत्वपूर्ण रूप से, चरण सिंह ने 1967 में राज नारायण और राम मनोहर लोहिया के प्रत्यक्ष समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला। 1970 में कांग्रेस पार्टी के दो भागों में विभाजित होने के बाद उन्होंने बाद में 1970 में कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभाला। लेकिन 1975 में, भारत की तत्कालीन प्रधान मंत्री, इंदिरा गांधी ने आपातकाल की स्थिति घोषित की और अपने सभी राजनीतिक विरोधियों चरण सिंह सहित अन्य विपक्षी नेताओं को जेल की सजा सुनाई। 1977 के आम चुनावों में, भारतीय जनता ने उन्हें वोट देकर बाहर कर दिया और विपक्षी पार्टी, जिसके चौधरी चरण सिंह एक वरिष्ठ नेता थे, सत्ता में आई। लोकसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर जेल से रिहा होने के बाद चरण सिंह ने मोरारजी देसाई की जनता पार्टी के साथ गठित राजनीतिक दल का विलय कर दिया। चरण सिंह ने लोकसभा चुनाव में मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता सरकार में गृह मंत्री, उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया। 28 जुलाई 1979 को चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस (यू) के सहयोग से प्रधानमंत्री बने। चौधरी का कार्यकाल बहुत छोटा करीब छहः माह का रहा, लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद चरण सिंह ने किसानों व आम जनता के हित में कई कदम उठाए।

चौकिया के कुंड में युवक डूबा

संवाददाता।

जौनपुर । शीतला चौकियाँ धाम के कुंड में एक युवक की डूबकर मौत हो गयी। घटना की सूचना पर मौके से पहुँची पुलिस ने मछुआरों की मदद से शव को बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताते है कि कुंड में नहाने के दौरान युवक की डबूने से मौत की सूचना पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई थी। किसी के द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दिया गया। मृत युवक के सम्बन्ध में बताया गया कि कुंड में नहाने के दौरान युवक की डूबकर मौत हुई होंगी। युवक की शिनाख़्त 25 वर्षीय अजय यादव निवासी थाना सरायख्वाजा थाना ग्राम बबरखाँ के रूप में हुई हैं।

गुब्बारे में आग से तीन लोग झुलसे

संवाददाता

जौनपुर। नगर पालिका परिषद के मैदान में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित जनपद स्तरीय स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम के दौरान हादसा होने से बच गया लेकिन एक महिला शिक्षक समेत कई लोग झुलस गए। मौके पर मौजूद लोगों धैर्य के कारण अफातफरी नहीं मची । कुछ पल के लिए मंच पर मौजूद राज्य मंत्री, विधान परिषद सदस्य समेत शिक्षा विभाग के अधिकारी व शिक्षक स्तंभित हो गए। जल्द ही स्थिति सामान्य होने के बाद रैली निकाली गई। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा नगर के टाउन हाल मैदान में स्कूल चलो अभियान की रैली आयोजित किया गया था। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम की शुरुवात माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया गया उसके बाद अगर बत्ती जलाने के लिए जैसे ही बेसिक शिक्षा विभाग के डीसी ने माचिस जलाई तो आग मंच पर लगाये गए गुब्बारे में लग गया जिसके एक बड़ा आग शोला डीसी , डायट प्राचार्य और दीप प्रज्ज्वलित करवा रही टीचर प्रीती श्रीवास्तव को अपने आगोश में लिया , आग तीनो लोग मामूली रूप से झुलस गई। उधर मंत्री समेत कई अतिथि सहम गए , झुलसे लोगो को अस्पताल भेजने के बाद रैली निकाली गई।

मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की जोर आजमाइश

संवाददाता।

जौनपुर। जिला प्रषासन जहां एक ओर निकाय चुनाव कराने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास कर रहा है वही चुनाव में उतरने में वाले विभिन्न दलों के भावी प्रत्याषी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए जोर आजमाइष षुरू कर दिये है। हालांकि जिले प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याषियों के नाम की घोषणा नहीं किया है। इसके बावजूद भावी प्रत्याषी वोटरों की गणेष परिक्रमा कर उनके कुषल क्षेम की जानकारी सवेरे से लेने दिखाई दे रहे है। जिले में प्रथम चरण में होने वाले चुनाव को लेकर अध्यक्ष व सभासद पद के चुनाव को अपने पक्ष में करने के जुगाड़ में जुट गए। जबकि अभी तक किसी पार्टी से कोई अधिकृत नहीं दिख रहा है। अभी से चेयरमैन पद के सम्भावित प्रत्याशियों ने समर्थकों के साथ मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत बनाने की कवायद में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हालांकि चुनाव में जीत को भूमिका निभाने में महिला वोटरों की अहम भूमिका होगी पुरुषमताओं के सापेक्ष में महिला मतदाताओं पर मतदान के द्वारा विजय प्राप्त करने के लिए वोट की पकड़ बनाने के लिए गोटीको फिट करने की पहल शुरू कर दी है। अबकी बार के चुनाव में महिला मतदाताओं के मतदान पर सम्भावित प्रत्याशियों की नजर टिकी हुई है। अभी से सम्भावित महिला प्रत्याशियों ने आधी आबादी के मतदान को अपने पक्ष में कराने को लेकर इन पर विकास के मुद्दे पर मतदान करने के लिए पकड़ बनानी शुरू कर दिया है। जगह–जगह सम्भावित प्रत्याशियों के साथ उनके समर्थक लोगों के बीच पहुंचकर कुशलक्षेम पूछते नहीं थक रहे हैं

इलेक्ट्रिक कटर से हो रही हरे पेड़ें की कटान

जौनपुर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में गर्मी का असर बढ़ते ही हरे और फलदार पेड़ों की कटान पुलिस और वन विभाग की मिली भगत से जारी है। गया है कि लकड़ी के खिलाफ माफिया अपने लोगों के साथ आते है। और इलेक्ट्रिक कटर से हरे पेड़ों को पांच मिनट में जमीदोज कर देते और ट्रैक्टर ट्राली के जरिए लादकर ले जाते है। हरे पेड़ों की कटान से लोगों में काफी आक्रोश है। जिले में हरे पेड़ों की कटान पर अंकुश नहीं लग रहा है लकड़ी माफियाओं द्वारा आम, महुआ के छायादार और फलदार वृक्षे को काटा जा रहा है। इसके बावजूद वन विभाग व पुलिस सब जानते हुए भी बेखबर बनी है। गया कि लकड़ी माफियाओं से वनविभाग व पुलिस प्रशासन की सांठ– गांठ हो जाती है। और हरे पेड़ों की कटाई कराई जाती है।

मैहर के प्रधान पुजारी से मिलने को लगा तांता

संवाददाता।

जौनपुर। षहर के परमानतपुर में विराजित मां शारदा शक्तिपीठ मैहर मंदिर में श्री श्री 108 श्री देवी प्रसाद जी महाराज का आगमन हुआ। भक्त शिरोमणि देवी प्रसाद श्री शारदा शक्तिपीठासीन मैहर के प्रधान पुजारी है। उनसे मिलने व दर्शन करने श्रद्धालु भरी संख्या में आए। आए हुए भक्त प्रधान पुजारी के द्वारा भजनों का आनंद उठाते भक्ति रस में रम गए। शक्तिपीठ 1993 में स्थापना पर देवी प्रसाद का आगमन एवं प्राण प्रतिष्ठा माताजी का कराया गया था। माताजी का स्थापना करा कर उन्होंने कहा जो मां की ज्योति मैहर में है वही ज्योति यहां पर विराजमान है। जो भक्त वहां नहीं जा पाते हैं ।

प्रेमिका की गोली मारकर हत्या कर खुद को भी मारी गोली, मौत

संवाददाता।

बल्दीराय सुल्तानपुर। गुरुवार को एक प्रेम कहानी का डेढ़ साल के अंदर दर्दनाक अंत हुआ। प्रेमी ने प्रेमिका को तमंचे से गोली मारकर मौत के घाट उतारा। फिर खुद भी गोली मारकर आत्महत्या कर लिया। मृतक शादीशुदा था, उसके दो बेटे हैं। एसपी सोमेन वर्मा ने मौके पर पहुंच कर जांच की व बताया कि पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है। घटना जिले के हलियापुर थानाक्षेत्र के रामपुर बबुआन गांव की है। रामपुर के विंध्या उपाध्याय का पुरवा निवासी नागेंद्र उर्फ गुडडू प्रजापति (28) पुत्र हनुमान का गांव की ही रीता यादव (15) पुत्री राम भवन यादव से डेढ़ साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों चोरी चुपके मिलते थे। ये बात दोनों परिवारों को नागवार गुजरी। कई बार दोनों परिवारों के मध्य मन मुटाव भी हुआ। इस क्रम में गुरुवार को गुड्डू ने रीता को बुलाया और जैसे ही वो गांव से 100 मीटर बाहर खड़ंजे पर आई गुड्डू ने उसे तमंचे से गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। प्रेमिका रीता गुड्डू के सामने खून में लथपथ होकर तड़पने लगी तो गुड्डू ने खुद की कनपटी पर तमंचा रखकर गोली दाग दी। दोनों ने मौके पर दम तोड़ दिया। खड़ंजे पर 10 कदम की दूरी पर दोनों के शव पड़े हुए थे। गोली की आवाज सुनकर जब लोग निकले तो दोनों की लाश देखकर गांव में सनसनी फैल गई। लोगों ने सूचना पुलिस को दी। सूचना पर एसपी सोमेन वर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि हलियापुर थाना क्षेत्र में प्रेमी की तरफ से प्रेमिका को गोली मारे जाने का मामला सामने आया है। इसके बाद में प्रेमी ने खुद को भी गोली मार ली। दोनों की मौके पर मौत हो चुकी है। गांव वालों का कहना है कि दोनों एक दूसरे से प्रेम करते थे। पूरे मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। बता दें कि गुड्डू की शादी करीब दस वर्ष पूर्व संगीता के साथ हुई थी। उसके दो बेटे हैं बड़ा विनय आठ साल और दूसरा विनोद पांच साल का है। नागेंद्र का एक छोटा भाई प्रदीप भी शादी शुदा है जो घर पर रहता है। घटना के बाद से उसकी मां धनपता व पत्नी व बच्चों का रो रोकर बुरा हाल है। उधर रीता यादव की माता का देहांत 12 वर्ष पूर्व व पिता का 5 माह पूर्व हो गया। इकलौता (16) वर्षीय भाई विकास चेन्नई में मजदूरी करता है। बड़ी बहन अंतिमा की शादी पास में ही इसी थाना क्षेत्र के उमरा गांव में हुई है। पिता की मौत के बाद अपनी बहन के साथ रामपुर बबुआन गांव में ही रहती थी। उसने बताया कि रीता मेरी बात नही मानती थी। सुबह गेंहू काटने घर से गई थी और मैं पड़ोस में दुखदुरिया में गई तो लग्भग साढ़े नौ बजे घटना की जानकारी मिली। वह घर पर ही है। लाश देखने भी नही गई। पुलिस दोनों शवों को पोस्टमार्टम में भेज कर आगे की कार्वाई कर रही है।

दुनिया के कामयाब तरीन इंसान थे हजरत अली–मौलाना बबर अली

संवाददाता।

सुल्तानपुर। हजरत अली के बलिदान दिवस पर शहर के खैराबाद स्थित इमामबारगाह बेगम हुसैन अकबर में जुलूस का आयोजन किया गया। जुलूस की मजलिस को मस्जिद मीर बंदे हसन खैराबाद के पेश इमाम मौलाना बबर अली

खां ने संबोधित किया। मौलाना ने अपने संबोधन में कहा पैगम्बर मोहम्मद ने हजरत अली के लिए फरमाया, अली तुम्हारी मेसाल काबे की है। मौलाना ने कहा इसका अर्थ है जिस तरह हर मुसलमान पर फर्ज है वो काबे की ओर सर झुकाए उसी तरह जिसको जरूरत हो वो अली के पास आए, अली किसी के पास नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा यही वजह थी पैगम्बर के बाद हुकूमत चल कर हर सवाल को हल कराने के लिए अली के दरवाजे तक आई। अली किसी के दरवाजे तक नहीं गए। मौलाना ने कहा इसका दूसरा अर्थ ये है कि जिस प्रकार काबे के आगे खड़े होकर मुसलमान की नमाज नहीं हो सकती उसी तरह अली के आगे होकर किसी की नमाज नहीं होगी। यही वजह है अली ने पैगम्बर मोहम्मद के अलावा किसी के पीछे नमाज नहीं पढ़ी। मौलाना बबर अली ने कहा कि अली वो कामयाब इंसान थे कि दुनिया से जाते हुए भी नमाज के आलम में गए। उन्हें मस्जिद में इब्ने मुलजिम ने 19 रमजान 40 हिजरी की सुबह को सर पर तलवार मारी थी। और 21 रमजान को अली ने इस दुनिया को अलविदा कहा जिसके बाद इमाम हसन और इमाम हुसैन ने उन्हें कूफे में नजफ–ए अशरफ में दफ्न किया। जुलूस का संचालन अजहर अब्बास ने किया। पेशख्वानी शेर अली ने की। जुलूस में अंजुमन अब्बासिया सुरौली, अंजुमन जीनतुल अजा बहिशती व अंजुमन गुंचए मजलूमिया ने नौहा–मातम पेश किया। जहां डॉ हादी, शाहिद अकबर, हाजी मुजाहिद अकबर, आलम रिजवी, आसिम सज्जाद, कबीर हैदर समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे। ये जानकारी अजादार हुसैन ने दी।

भीषण गर्मी में मासूम रोजेदार बच्चे मांग रहे जनपद में अमन–चौन की दुआ

संवाददाता।

सुल्तानपुर। माहे रमजान में हर मोमिन अल्लाह की इबादत में मशगूल हैं। ऐसे में बच्चे भी पीछे नहीं हैं। वह बड़ो संग अल्लाह की इबादत में वक्त गुजार रहे हैं। वहीं गोसाईगंज क्षेत्र के हयातनगर गांव के आफताब मेहदी के पुत्र सरकार मेहदी और आरिफ मेहदी के पुत्र अब्बास मेहदी भी इस भीषण गर्मी में रोजा रख कर मुल्क के लिए दुआ मांग रहे हैं। और अपने बड़ों से इबादत के तरीके भी सीख रहे हैं। घरवाले भी उनके हौसले को देखकर खुश हैं। अपने अब्बू अम्मी तो दादी दादा संग नमाज व तिलावत कर रहे हैं। रमजान आते ही हर मोमिन के बेशुमार खुशियां छा जाती है, इसको लेकर बच्चों में खास उत्साह होता है, वैसे परिवार के लोग धूप व गर्मी को देखते हुए उन्हें रोजा रखने से रोकते हैं। मगर बच्चों के हौसले के

उनकी एक भी नहीं चलती है। वे रोजा रखने के साथ ही हर अरकान को बड़े ही शिद्दत के साथ अदा करते हैं और रोजा रखकर पांचों वक्त की नमाज अदा कर रहे हैं, वैसे तो खुदा की इबादत के लिए कोई उम्र नहीं होती इसलिए नन्हे रोजेदार भी रोजा रखकर अपनी मुरादों को पूरी करने की दुआ मांग रहे हैं।

शिविर में 40 लोगों ने किया रक्तदान

अयोध्या। बैशाखी के महापर्व पर रामनगरी अयोध्या के नजरबाग के ऐतिहासिक गुरुद्वारे में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन गुरुवार को सम्पन्न हुआ। शिविर में लगभग 40से ज्यादा लोगों ने रक्तदान किया। शिविर का उद्घाटन नगर आयुक्त विशाल सिंह ने किया और विशिष्ट अतिथि के रुप मे तीन कलश तिवारी मन्दिर के महंत गिरीश पति त्रिपाठी उपस्थिति रहे।नगर आयुक्त सिंह ने गुरुनानक देव जी व गुरु गोबिंद सिंह जी की चरण छू प्राप्त दरबार में माथा टेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इतनी बड़ी संख्या में रक्तदान शिविर में आते लोगो को देखकर विशाल सिंह अविभूत हुए।उन्होंने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज व्यतिवादी समयकाल में समाज और मजबूरों की चिंता करने वालों की संख्या नगण्य है। पर आज जिस तरह से आप सभी लोग रक्तदान कर रहे है इससे धार्मिक आयोजन को भी समाजसेवा का उत्कृष्ट रुप मिला है । समारोह की अध्यक्षता गुरुद्वारे के जत्थेदार बाबा महेन्द्र सिंह ने किया। बाबा महेन्द्र सिंह ने कहा कि, गुरुद्वारों ने हर समय काल मे समाज के लिए योगदान किया है। हर कठिन समय मे भोजन से लेकर ऑक्सीजन तक ,सेवा के मामले में मे गुरुद्वारे पीछे नही रहे हैं। जिला अस्पताल की ब्लड बैंक टीम ने पूरे कार्यक्रम में सकुशल रक्त संग्रह किया और सभी रक्तदाताओं को प्रसंसा पत्र भी दिया। कार्यक्रम की समाप्ति पर खालसा फाउंडेशन की तरफ स सभी अतिथियों और रक्त दानियो के प्रति आभार अर्पित करते हुए सरदार नवनीत सिंह ने अपनी भविष्य की योजनाओं से सभी को रूबरू कराया। सफाई अभियान, पशु सेवा अभियान, भोजन सेवा अभियान, अयोध्या दर्शनार्थियों के लिए प्रशिक्षित वालेंटियर सेवा इस तरह की सभी आगामी योजनाओं के बारे में विस्तार से उन्होंने बताया । जिसकी अतिथियो ने भूरी भूरी प्रसंसा की।

अवध विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा हेतु अश्वनलाइन आवेदन शुरू

संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा पीएचडी प्रवेश परीक्षा की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन के साथ शुल्क 05 मई तक जमा कर सकेंगे। विलम्ब शुल्क के साथ 10 मई तक आवेदन किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के आदेश पर सत्र 2022–23 की पीएचडी प्रवेश परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई। इसमें कुल 40 विषयों की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 04 जून को कराई जायेगी। इनका परिणाम 20 जून को घोषित किया जायेगा। पीएचडी सामान्य प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो0 फारूख जमाल ने बताया कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए परिसर के 19 एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के 21 विषयों में ऑनलाइन आवेदन शुरू किया गया है। जिसमें परिसर के बायोकेमेस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, भौतिक एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित एवं सांख्यिकी, पर्यावरण विज्ञान, व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास, इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, प्रौढ़ एवं सतत् शिक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विषय शामिल है। वहीं अप्लाइड साइंस में गणित, भौतिकी, प्रबंधन, कंप्यूटर एप्लीकेशन, शारीरिक शिक्षा, जनसंचार एवं पत्रकारिता विषय हैं। दूसरी ओर विश्वविद्यालय संबद्ध महाविद्यालयों में वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, भौतिकी, वाणिज्य, प्राचीन इतिहास, अर्थशास्त्र, शिक्षा, अंग्रेजी, भूगोल, हिंदी, मध्यकालीन इतिहास, सैन्य विज्ञान, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, संस्कृत, समाजशास्त्र, उर्दू, विधि, शारीरिक शिक्षा विषय है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा संबंधी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

ग्राम पंचायत मधुपुर में कथा का रसपान कराते कथा व्यास

अयोध्या। ग्राम पंचायत मधुपुर में सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास पंडित शिवांश जी महाराज ने कहा कि भगवान का अवतार जगत कल्याण के लिए होता है। कथा ब्यास ने कहा कि जब जब धरती पर अत्याचार बढ़ा है, तब–तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतार लेकर पापियों का नाश करके धर्म की रक्षा की है। कहा कि काम, क्रोध, मद, लोभ यह सब व्यक्ति को अधर्म और पाप की तरफ ले जाता है और परमात्मा से दूरी बना लेता है इससे बचने का उपाय परमात्मा का शरण है। कहा कि हर ब्यक्ति के अंदर रावण और कंस बसता है लेकिन जब भक्ति प्रबल होती है तो दुर्गुण रूपी रावण और कंस का समूल विनाश होता है और तभी मनुष्य के जीवन में रामराज आता है और वह एक विवेकशील प्राणी बनकर कर समाज को नई दिशा देता है। कथा व्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण अनन्त ऐश्वर्य, अनन्त बल, अनन्त यश, अनन्त श्री, अनन्त ज्ञान और अनन्त वैराग्य की जीवन्त मूर्ति हैं। श्रीकृष्ण परिपूर्णतम् परब्रह्म हैं। वे ही सबके हृदयों में व्याप्त अन्तर्यामी हैं। कथा व्यास ने भगवान श्री कृष्ण की जन्म की कथा विस्तार से बताया जिसे सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए। भगवान के जन्म के अवसर पर महिलाओं ने बधाई गीत गाया। इस अवसर पर मुख्य यजमान राधेश्याम मिश्रा, देव नारायण मिश्रा, ज्ञान प्रकाश मिश्रा, डॉ. सुनील मिश्रा, रोहित मिश्रा सहित ग्रामीणों ने कथा का रसपान किया।

बीपी मण्डल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते लोग

बी.पी. मण्डल ने पिछड़े वर्ग के लोगों को दिलाया सम्मान –जयशंकर पाण्डेय

अयोध्या। समाजवादी पार्टी नेता व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बीपी मंडल की 42 वी पुण्यतिथि आज समाजवादी पार्टी कार्यालय में मनाई गई ।इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने श्री मंडल के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व विधायक जय शंकर पांडे ने इस मौके पर श्री मंडल के द्वारा समाज के लिए किए गए कार्यो का उल्लेख किया गया। श्री पांडे ने बताया कि उनके द्वारा किए गए कार्य मील का पत्थर साबित हुए हो चुके हैं ।श्री पांडे ने बताया कि श्री मंडल ने ना सिर्फ समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों को सम्मान दिलाया बल्कि उनकी रोजी–रोटी के दिशा में भी किए गए प्रयास श्री मंडल की ही देन है। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने मंडल को एक महान नेता बताते हुए कहा कि ऐसे ही नेताओं के दिखाए रास्तों पर चलकर समाजवादी पार्टी ने अपना एक अलग मुकाम हासिल किया है ।कार्यक्रम का संचालन करते हुए जिला महासचिव बख्तियार खान ने कहा कि स्वर्गीय मंडल ने समाज के हर वर्ग के लिए एक मिसाल कायम की है हमें उनके दिखाए रास्ते पर चलना होगा ।पार्टी प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि आज पार्टी कार्यालय पर आयोजित गोष्ठी में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री बी पी मंडल को श्रद्धांजलि अर्पित की ।श्री चौधरी ने बताया कि इस मौके पर बड़ी तादाद में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से जे पी यादव जिला सचिव अंसार अहमद बब्बन रामलखन यादव अवधेश यादव रमाकांत यादव चौधरी बलराम यादव बाबूराम गौड़ मदन यादव जगन्नाथ यादव डॉ अनुराग यादव दान बहादुर सिंह दुर्गेश बर्मा रियाज अहमद राकेश कुमार जसराज यादव आदि लोग मौजूद रहे ।

रक्तदान सर्वोत्तम दान व पुनीत कार्य –राम उजागिर दास

–स्व कृष्ण लाल गुप्त के 32वी पुण्यतिथि पर लगा रक्तदान शिविर

अयोध्या ।आतंकवादियों के हाथों अपनी जान गवा देने वाले स्व कृष्ण लाल गुप्त के 32 वी पुण्य तिथि पर पूराबाजार के पंचायत घर पर बृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 30 रक्तदाता रक्तदान कर महारानी बनें। राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में परमहंस आश्रम के महंत राम उजागिर दास व विशिष्ट अतिथि के रूप में शहीद शोध संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्यकांत पांडेय व मेडिकल कालेज दर्शन नगर के बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ आनंद शुक्ला जी उपस्थित रहें।अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने रक्तदान को सर्वोत्तम दान व सबसे पुनीत कार्य बताया। सूर्यकांत पाण्डेय ने पुरानी स्मृतियों को ताजा करते हुए कहा स्व कृष्ण लाल गुप्त हमारे सहपाठी थे और सेवा भावना उनमें कूट कूट कर भरी थी और शायद यही कारण था की वो पंजाब के लुधियाना जिले के जगरावो तहसील में 12 अप्रैल 1991 को आतंकवादियों से निहत्थे निहत्थे भिड़ गए जिसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। अतिथियों का स्वागत संस्था समाजसेवी राजेश चौबे जी ने अंगवस्त्र व माल्यार्पण से किया। संस्था संस्थापक आकाश गुप्त ने कहा की लोगों की सेवा की प्रेरणा उन्हें स्व पिता कृष्ण लाल गुप्त जी से विरासत में मिला हुआ है और संस्था का एक मात्र उद्देश्य लोगों की सेवा करना है। मेडिकल कालेज दर्शन नगर के सहयोग से इस शिविर में दीपिका गुप्ता,समरेंद्र सिंह,सौरभ सिंह,गुलशन चौरसिया,प्रदीप सैनी,हिमांशु गुप्ता,आनंद मोदनवाल,कामता गुप्ता,राम भिखारी चौधरी,शरद गुप्ता,अमन मोदनवाल,राज कुमार,अमित चौरसिया,विजय किंग,प्रमोद सोनी,दर्शन गुप्ता, अमित गुप्ता,जगदंबा गुप्ता,राकेश चौरसिया,राहुल कुमार,अजय गुप्ता,आशीष गुप्ता अंकुर,गंगा राम चौधरी,सचिन मौर्य,पवन कुमार,उत्तम गुप्ता,राम कुमार मौर्य,विशाल गुप्ता व सूर्य प्रकाश गुप्ता ने ब्लड डोनेट किया। इस पुनीत अवसर पर मूक बधिर विद्यालय के प्रबंध डॉ प्रदीप तिवारी, वृद्ध सेवक अमरेश चंद्र मिश्र व अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहें।

अवध विवि व नगर निगम अयोध्या के बींच एमओयू

आने वाले समय में अयोध्या होगा भव्यतम शहर – विशाल सिंह

–अवध विवि एवं नगर निगम अयोध्या के बीच एम.ओ.यू. का नवीनीकरण हुआ

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं नगर निगम अयोध्या के बीच एम0ओ0यू0 का नवीनीकरण किया गया। विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व नगर आयुक्त विशाल सिंह के मध्य अनुबंध का आदान–प्रदान किया गया। इस एमओयू के नवीनीकरण से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग का सुनहरा अवसर मिलेगा। इस अवसर कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी गाइड ट्रेनिंग प्रोग्राम से अयोध्या को एक नई पहचान देंगे। सामरिक दृष्टि से अयोध्या का विशेष महत्व है। प्रभु श्रीराम की नगरी में सभी प्रशिक्षुओं की एक नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि बाहर से आने वाले पर्यटकों को सही जानकारी दें और उन्हें अयोध्या के संस्कृति से भी परिचित कराएं। कुलपति ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से अयोध्या में विद्यार्थियों के लिए रोजगार की अपार सम्भावना है। टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग के माध्यम से अपने को तैयार करें। मौके पर नगर आयुक्त विशाल सिंह ने अयोध्या विजन–2047 योजना की चर्चा करते हुए कहा कि कि अयोध्या में इस समय 32 हजार करोड़ की योजना चल रही है। आने वाले समय में अयोध्या भव्यतम शहर होगा। यहां टूरिस्ट गाइड की मांग बढ़ेगी। इसमें युवा रोजगार के अवसर तलाश सकते है। इसके लिए उन्हें स्किल को डेवलप करना होगा। कार्यक्रम में व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह ने कहा कि आज तृतीय बैच गाइड ट्रेनिंग का प्रारम्भ हो रहा है। कुलपति प्रो0 गोयल की उपस्थिति में नगर निगम के साथ एम0ओ0यू0 का नवीनीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षुओं की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि अयोध्या की पौराणिक पहचान सभी को बताए और इसे नई दिशा देने में पूरा सहयोग करें। इस बीच लोढा फाउण्डेशन ग्रुप अयोध्या के सिटी हेड विकास पाण्डेय ने अयोध्या में प्रस्तावित विकास योजना से अवगत कराते हुए कहा कि विभाग के साथ मिलकर कई योजनाओं पर सहमति बनी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलसचिव उमानाथ, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ0 राकेश कुमार, डॉ0 दीपा सिंह, डॉ0 कविता श्रीवास्तव, डॉ0 प्रियंका सिंह, डॉ0 अनिता मिश्रा, डॉ0 निमिष मिश्रा, डॉ0 आशुतोष पाण्डेय, डॉ0 श्रीश अस्थाना, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 रामजी सिंह, डॉ0 रविन्द्र भारद्वाज, डॉ0 आशीष पटेल, डॉ0 रामजीत सिंह यादव, डॉ0 कपिल देव, डॉ0 प्रवीण राय, डॉ0 हर्षवर्धन, डॉ0 संजीत पाण्डेय, डॉ0 विवेक उपाध्याय, डॉ0 जूलियस कुमार, डॉ0 नवनीत श्रीवास्तव, योगेश दीक्षित, सूरज सिंह, डॉ0 देशराज, दिनेश कुमार सहित अन्य शिक्षक, टूरिस्ट गाइड एवं विधार्थी मौजूद रहे।

नरक्षामंत्री से मिला इप्सेफ का प्रतिनिधिमंडल

पेंशन बहाली समेत विभिन्न मांगों का सौंपा ज्ञापन

लखनऊ। पुरानी पेंशन बहाली समेत विभिन्न मांगों को लागू करवाने के लिए गुरूवार को इप्सेफ का प्रतिनिधिमंडल रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के दिल्ली आवास पर जाकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में प्रेम चंद्र राष्ट्रीय महासचिव, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार रावत, सचिव अतुल मिश्रा ,अजयवीर सिंह अध्यक्ष ज्ञापन देने के दौरान शामिल रहे। इसी क्रम में प्रेमचंद्र ने 11 अप्रैल के धरना प्रदर्शन में शामिल मांगों का ज्ञापन रक्षा मंत्री को सौंपते हुए अवगत कराया। वहीं ज्ञापन देने के दौरान नेताओं ने रक्षामंत्री को अवगत कराया कि पेंशन बहाली प्रकरण पर सचिव वित्त भारत सरकार की अध्यक्षता में गठित 3 सदस्यीय समिति से इप्सेफ के पदाधिकारियों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाय। प्रतिनिधिमंडल का क हना है कि पेंशन बहाली के लिए देशभर में कर्मचारियों शिक्षकों के आंदोलन लगातार चलने से केंद्र सरकार को प्रभावित करेगा । इससे सभी कर्मचारियों आक्रोश व्याप्त है। पदाधिकारियों ने एक स्वर से आग्रह किया कि प्रधानमंत्री ही इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखने का अवसर दिलाएं। पदाधिकारियों ने कहा कि इप्सेफ का सदा सुझाव रहा है कि मिल बैठकर कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया जाए फिर भी इस विषय पर प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में एक बार भी बातचीत का अवसर नहीं दिया गया। वहीं राजनाथ सिंह ने इप्सेफ के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की पीड़ा से भलीभांति अवगत हैं और उनका हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रहा है कि इप्सेफ की प्रमुख मांग पुरानी पेंशन बहाली आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा के लिए नियमावली बनाने सरकारी तंत्र में निजीकरण न करने तथा भविष्य में राष्ट्रीय वेतन आयोग गठित करने की मांग पर वे प्रधानमंत्री से बात करके इप्सेफ के पदाधिकारियों को अपना पक्ष रखने के लिए उन्हें समय दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे उनकी मांगों पर सार्थक निर्णय कराने का भरपूर प्रयास करेंगे प्रधानमंत्री का भी हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रहा है और है। इसके तत्पश्चात इप्सेफ के पदाधिकारियों ने रक्षा मंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया।

डिप्टी सीएम के निर्देश पर सील हुए अमरोहा के दो अस्पताल

बीमार अस्पतालों को स्वस्थ बनाने को डिप्टी सीएम की लगातार कार्रवाई जारी

लखनऊ। बीमार अस्पतालों की व्यवस्थाओं को स्वस्थ बनाने के लिए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की लगातर कार्रवाई जारी है। गुरुवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर अमरोहा के दो अस्पतालों को सील कर दिया गया। अलग–अलग जिलों में भी कार्रवाई हुई हैं। जिसमें उप मुख्यमंत्री का कहना है कि कार्य में लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। डिप्टी सीएम ने बताया कि जनपद अमरोहा के गजरौला स्थित हसन नर्सिंग होम व धनौरा में अपोलो हॉस्पीटल पर कार्रवाई की गई है। दोनों अस्पतालों में लापरवाही के चलते महिलाओं की मृत्यु होने की जानकारी प्राप्त हुई थी। उक्त दोनों अस्पतालों को सील कर मामले में जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं और एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट आने के पश्चात प्रकरण में मुकदमा भी दर्ज किया जा रहा है। वहीं, सीएचसी बीकापुर (अयोध्या) में इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ. अभिषेक विश्वास द्वारा मरीज को बाहर की दवाएं लिखे जाने संबंधी प्रकरण का संज्ञान लेते हुए उनका तबादला कर दिया गया है। साथ ही सीएचसी के अधीक्षक से स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए गए हैं। जिला मेडिकल कॉलेज, प्रतापगढ़ में तीमारदारों से मारपीट करने के मामले में प्रधानाचार्य से तीन दिन में रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं जनपद जौनपुर के भागवत चिकित्सालय में महिला के इलाज में लापरवाही बरतने के मामले में भी सीएमओ को जांच के आदेश जारी किया गया। डिप्टी सीएम की ताबड़तोड़ कार्रवाई से स्वास्थ्य विभाग में हलचल पैदा हो गयी है।

सपा , बसपा ने एनकाउंटर पर उठाए सवाल

ट्वीट से सरकार पर हमला

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव एवम बसपा अध्यक्ष मायावती ने यूपी की झांसी में दो एनकाउंटर पर सवाल उठाए हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि मुद्दों से बीजेपी लोगो को भटकाना चाहती है। झूठे एनकाउटर करके भाजपा लोगो को भटका रही है। जिससे जनता से जुड़े मुद्दों भुलाया जा सके। भाजपाई कोर्ट में विश्वास ही नहीं करते हैं।सभी एनकाउंटरों की भी गहन जांच–पड़ताल होनी चाहिए।सही–गलत के फैसलों का अधिकार सत्ता का नही है।वहीं बीएसपी अध्यक्ष मायावती ने एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए कहा कि असद, गुलाम के एनकाउंटर पर चर्चाएं गर्म है।विकास दुबे काण्ड के दोहराने की आशंका सच साबित हुई। ऐसे में घटना के पूरे तथ्य की उच्च स्तरीय जांच जरुरी है। जिससे सच्चाई सामने आ सके।ख्अ13, 5रू47 च्ड, तंर्मी पदहीरू ‘न्‍ च्वसपबमरू यूपी पुलिस का बयान– अतीक और अशरफ को छुड़ाना चाहता था बेटा असद

विद्युत तार से टकराने से आठ बीघे की फसल जलकर राख

बख्शी का तालाब लखनऊ जनपद के विकासखंड बीकेटी छेत्र के एक गांव में बीती दोपहर धारा प्रवाहित तार में मसीन के टकराने से निकली चिंगारी गेंहू की फसल पर गिरने से फसल ने आग पकड़ ली। जिससे करीब 8 बीघे की फसल जलकर खाक हो गई। ग्रामीणों और लगभग दो घंटे विलम्ब से पहुँची फायर ब्रिगेड कर्मियों ने अथक प्रयास से किसी तरह आग पर काबू पाया गया। अन्यथा सैकड़ों बीघे की फसल इस आग की चपेट में आ जाती। जिन किसानों की फसल बर्बाद हुई वो मायूस हो उठे। ग्रामीणों के मुताबिक, धारा प्रवाहित तार से निकली चिंगारी गेंहू की खड़ी पर गिरने से फसल में आग पकड़ ली। आग की लपट उठते देख ग्रामीण दौड़े और आग बुझाने का प्रयास करने लगे।जानकारी के अनुसार बीकेटी के मुसपिपरी गांव में रमेश यादव के खेत में कंबाइन मशीन से गेहूं काट रहे थे। उसी समय 11,000 बिजली की लाइन से मशीन टच हो जाने पर चिंगारी से गेहूं के खेत में आग लग गई। पछुआ हवा के तेज झोंके ने आग से 5 किसानों के गेहूं के खेत को चपेट में ले लिया। जिससे किसानों का गेहूं जलकर स्वाहा हो गया। किसानों द्वारा सूचना फायर ब्रिगेड को देने पर भी 3 घंटे देर से पहुंची। मुसपिपरी गांव में मशीन द्वारा रमेश यादव के गेहूं के खेत की कटाई हो रही थी। गेहूं कटाई के दौरान बिजली की लाइन में मशीन टच हो जाने से चिंगारी से गेहूं की लाक में आग लग गई। पछुआ हवा के तेज झोंके से शांति 12 बीघा गेहूं शहाबुद्दीन 5 बीघा चंदर 4 बीघा तथा राजू किसान का 2 बीघा गेहूं का खेत जलकर राख हो गया।आग ने इन किसानों को दाने–दाने के लिए मोहताज कर दिया।अब इनके परिवार के सदस्यों के खाने के लिए 2 जून का निवाला तक नहीं बचा है। यह किसान अपने परिवार को 2 जून के निवाले के लिए मेहनत मजदूरी करनी पड़ेगी। बताते चलें कि किसानों के गेहूं के खेत में 1रू00 बजे आग लगी थी। ग्रामीणों की सूचना देने पर दमकल गाड़ियां 3रू00 बजे तक पहुंची। तब तक किसानों के गेहूं आग के हवाले हो गए थे। किसानों ने बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। जिससे अन्य किसानों के गेहूं कि फसले आग के जलने से बच गए। आग से किसानों की गेहूं की फसल को जलने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया किंतु प्रशासनिक अधिकारी स्थानीय कोई मौके पर नहीं पहुंचे

नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं के लिये मंगल दिन हैरू डॉ. महेंद्र

–मिशन रिक्रूटमेंट के तहत 10 लाख कर्मियों का भर्ती अभियान शुरू

–पूर्वोत्तर रेलवे में 306 को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जायेगा डीआरएम

लखनऊ। मिशन रिक्रूटमेंट के तहत 10 लाख कर्मियों के भर्ती अभियान के तहत गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोजगार मेला–4 के मुख्य कार्यक्रम स्थल नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये देशभर के 71,000 नवनियुक्त कर्मियों को रिमोट बटन दबाकर नियुक्ति पत्र वितरण का शुभारम्भ किया। इसी क्रम में लखनऊ सहित 45 स्थानों पर आयोजित रोजगार मेला–2023 के चयनित नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए, बैसाखी के शुभ अवसर पर देश को बधाई दी। इसी के अन्तर्गत लखनऊ स्थित इन्दिरा प्रतिष्ठान गोमतीनगर में आयोजित रोजगार मेला–4 समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री, भारी उद्योग, भारत सरकार डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि आज नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं के जीवन का मंगल दिन है। कहा कि पीएम मोदी की सरकार प्रतिदिन नई सोच, नए विजन के साथ काम कर रही है। कहा कि केन्द्र सरकार के विभिन्न मिशन है जैसे, डिजिटल इण्डिया, स्मार्ट सिटी, अटल मिशन, बुनियादी ढॅांचा विकास, सभी के लिए आवास, यह सभी मिशन रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे है। डीआरएम आदित्य कुमार ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में आये हुये रेलवे में 182, रक्षा में 05, संचारध्डाक में 26, वित्तीय सेवाओं में 19, उच्च शिक्षा में 36, ऊर्जाधविद्युत में 06, स्वास्थ्य में 01, गृह में 10, कोयला खान में 07 एवं श्रम विभाग के 03 सहित कुल 306 नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। अंत में अपर मण्डल रेल प्रबन्धकध परिचालन शिशिर सोमवंशी ने धन्यवाद दिया और संचालन वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी राहुल यादव ने किया।

नाका गुरूद्वारा में बैसाखी पर्व का हुआ शुभारंभ

आज नाका गुरूद्वारा में बैशाखी पर्व के उपलक्ष्य में होगा आयोजन

लखनऊ। नाका हिंडोला स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा में गुरुवार को खालसा पंथ का बैसाखी पर्व के उपलक्ष्य में संगतों द्वारा सब्जी काटने व प्रसादे बनाने की सेवा बड़ी श्रद्धा भाव के साथ किया गया। जिसमें विशेष दीवान में रागी जत्थे भाई सुखजिन्दरपाल सिंह हजूरी नें शबद कीर्तन गायन कर संगत को निहाल किया। इसके तत्पश्चात पंथ प्रसिद्ध प्रचारक डाक्टर हरप्रीत कौर खालसा प्रचारक गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर साहिब गुरमति विचारों द्वारा खालसा पंथ के साजना दिवस पर कथा व्याख्यान प्रस्तुत किया। वहीं कार्यक्रम का संचालन सतपाल सिंह मीत ने किया जिसमें स्कूली बच्चों ने गुरुद्वारा साहिब आकर गुरु महाराज के चरणों में माथा टेका और गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। दीवान की समाप्ति के उपरान्त दशमेश सेवा सोसाइटी के सदस्यों द्वारा गुरू का लंगर श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। कमेटी के प्रवक्ता सतपाल सिंह मीत ने बताया कि खालसा पंथ का बैसाखी पर्व आज यानि की शुक्रवार को नाका गुरूद्वारा में बड़ी श्रद्धा व हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। आज के कार्यक्रम में रागी जत्थे भाई सुखजिन्दरपाल सिंह हजूरी रागी दरबार साहिब एवं भाई सुरजीत सिंह गुरबाणी कीर्तन गायन कर संगत को निहाल करेंगे। डाक्टर हरप्रीत कौर खालसा प्रचारक शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर साहिब गुरमति विचार व्यक्त करेंगे।

लविवि के दर्शन विभाग में हेगेल व मार्क्स के डंडात्मक पद्धति पर की चर्चा

लखनऊ लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान की प्रमुख वक्ता डॉ अनुरीमा भट्टाचार्य रही। डॉ. भट्टाचार्य दर्शन शास्त्र विभाग, नॉर्थ बंगाल विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। उन्होंने हेगेल और मार्क्स के द्वंदात्मक पद्धति पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने अपने व्याख्यान में हेगेल की प्रमुख पुस्तकों की चर्चा करते हुए इस बात को रखने का प्रयास किया कि हेगेल किस तरह से कांट के दर्शन से आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि सारा ज्ञान मानवीय अनुभूति से ही होता है और कोई भी विचार मौलिक नहीं होता, बल्कि सभी विचार अपनी संस्कृतियों से जन्म लेते हैं। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ज्ञान की यात्रा तब तक पूर्ण नहीं होती जब तक कि हम किसी चीज के निषेध को न जाने। इस व्याख्यान कार्यक्रम में दर्शन शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव एवं अन्य विभागीय शिक्षक व प्रो. राकेश चंद्रा, डॉ.राजेश्वर यादव, डॉ. राजेंद्र वर्मा, डॉ. प्रशांत शुक्ला, डॉ. ममता सिंह उपस्थित रहे।

भारत आज अपनी सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला कर सकता है, जयशंकर बोले– मुंहतोड़ जवाब देना जानते हैं हम

जयशंकर ने कहा कि आज जो ताकतें दशकों तक भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद में लिप्त रहीं और जिसे भारत ने सहन किया, उन्हें अब पता चल गया है कि यह अलग भारत है और यही भारत उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि जो ताकतें दशकों से भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद में लिप्त हैं, वे अब जानती हैं कि यह एक अलग भारत है, जो उन्हें जवाब देगा। 12 अप्रैल को भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जयशंकर ने देश के एक नए भारत में परिवर्तन के बारे में बात की। अपनी सीमाओं पर भारत के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि आज, लोग एक अलग भारत देखते हैं जो खड़े होने के तैयार है और भारत जो अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करेगा चाहे वह उरी हो या चाहे वह बालाकोट हो। वह 2016 में पाकिस्तान से जैश–ए–मोहम्मद के उग्रवादियों द्वारा भारतीय सेना के ब्रिगेड मुख्यालय पर किए गए उरी हमले और पाकिस्तान के बालाकोट में भारतीय युद्धक विमानों द्वारा आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर किए गए 2019 के बालाकोट हवाई हमले का जिक्र कर रहे थे।आज जो ताकतें दशकों तक भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद में लिप्त रहीं और जिसे भारत ने सहन किया, उन्हें अब पता चल गया है कि यह अलग भारत है और यही भारत उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगा। उन्होंने चीन से लगी सीमा पर चुनौतियों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल से समझौतों का उल्लंघन कर चीन बड़ी संख्या में बल लेकर आया है। उन्होंने कहा कि आज भारतीय सेना काफी ऊंचाई पर और बेहद कठिन परिस्थितियों में तैनात है। यह स्थिति अतीत से अलग है क्योंकि भारतीय सैनिकों के पास अब पूर्ण समर्थन

है, उनके पास सही उपकरण और बुनियादी ढांचा है। उन्होंने स्वीकार किया कि चीन से लगी सीमा पर बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए और काम करना होगा क्योंकि अतीत में इसकी उपेक्षा की गई है। उन्होंने कहा, ष्यह एक अलग भारत है जो अपने हितों के लिए खड़ा होगा और दुनिया इसे पहचानेगी। आज उन्होंने कहा कि भारत की नीतियां किसी बाहरी दबाव से प्रभावित नहीं होती हैं। यह एक अधिक स्वतंत्र भारत है। आज, भारत उन देशों के दबाव में नहीं आ सकता है जो हमें बताएंगे कि हमें अपना तेल कहां से खरीदना चाहिए और कहां से हमें अपना तेल नहीं खरीदना चाहिए।

सेना से दृढ़ता से चीन की संप्रभुता, समुद्री अधिकारों की रक्षा करने को कहा

शी चीनी सेना के उच्च कमान 'केंद्रीय सैन्य आयोग' के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने दक्षिणी थिएटर कमांड में सैनिकों का निरीक्षण किया, प्रशिक्षण को मजबूत करने और सभी मोर्चों पर सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के स्तर को बढ़ावा देने के उपायों में तेजी लाने पर जोर दिया। बीजिंग। ताइवान और दक्षिण चीन सागर को लेकर बढ़ते तनाव के बीच चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बुधवार को सेना से देश की संप्रभुता और समुद्री अधिकारों तथा हितों की दृढ़ता से रक्षा करने एवं आसपास के क्षेत्रों की समग्र स्थिरता बनाए रखने का प्रयास करने को कहा।

शी चीनी सेना के उच्च कमान 'केंद्रीय सैन्य आयोग' के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने दक्षिणी थिएटर कमांड में सैनिकों का निरीक्षण किया, प्रशिक्षण को मजबूत करने और सभी मोर्चों पर सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के स्तर को बढ़ावा देने के उपायों में तेजी लाने पर जोर दिया। उन्होंने सशस्त्र बलों से सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी और लोगों द्वारा सौंपे गए कर्तव्यों को दृढ़ता से पूरा करने का आह्वान किया। दक्षिणी थिएटर कमांड के नौसेना मुख्यालय में शी ने कहा कि सशस्त्र बलों को राजनीतिक दृष्टिकोण से सैन्य मुद्दों का विश्लेषण और समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जटिल परिस्थितियों में समय पर और उचित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने की क्षमता को बढ़ाना चाहिए।

नेपाल खाई में गिरी कार सड़क दुर्घटना में चार भारतीयों की मौत

'काठमांडू पोस्ट' अखबार ने जिले के पुलिस अधीक्षक राज कुमार सिलवाल के हवाले से कहा कि चारों मृतक पुरुष हैं। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सिलवाल ने कहा कि सिंधुली अस्पताल ले जाए गए एक अन्य घायल यात्री की इलाज के दौरान मौत हो गई। काठमांडू (नेपाल)ध्समस्तीपुर।

नेपाल के बागमती प्रांत के एक सुदूर क्षेत्र में एक कार के खाई में गिर जाने से चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना मंगलवार देर रात हुई जब कार के चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया जिससे कार सिंधुली जिले के कमला माई नगर पालिका में बनेपा बर्दिबास राजमार्ग से करीब 500 मीटर नीचे खाई में गिर गई। 'काठमांडू पोस्ट' अखबार ने जिले के पुलिस अधीक्षक राज कुमार सिलवाल के हवाले से कहा कि चारों मृतक पुरुष हैं। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सिलवाल ने कहा कि सिंधुली अस्पताल ले जाए गए एक अन्य घायल यात्री की इलाज के दौरान मौत हो गई। खबर के मुताबिक, गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को आगे के इलाज के लिए धुलीखेल अस्पताल ले जाया गया। दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र होने के कारण दुर्घटनास्थल से मृतकों के शव नहीं निकाले जा सके हैं। इस बीच, बिहार के समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर थाना प्रभारी गौतम कुमार ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''मृतकों में से एक मृत्युंजय कुमार सिंह फुलहरा गांव के निवासी थे। हम आगे की जानकारी के लिए उनके परिवार के सदस्यों और सक्षम प्राधिकारी के संपर्क में हैं।''

मोदी के बुलाने पर कश्मीर आ रहे 20 देश, छाती पीट रहा पाकिस्तान, चीन भी भारत के बढ़ते कद से है परेशान

पाकिस्तान की तरफ से जारी बयान में जम्मू कश्मीर को विवादित इलाका बताकर वो अपने ही जख्म कुरेद रहा है। पूरी दुनिया जान गई है कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। पाकिस्तान ने जम्मू–कश्मीर में जी–20 बैठक की मेजबानी के भारत के फैसले पर नाराजगी जताई है। हालांकि जी20 का सदस्य नहीं है, फिर भी पाकिस्तान अगले महीने श्रीनगर में जी20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की बैठक आयोजित करने के भारत के फैसले से नाखुश है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि लेह और श्रीनगर में युवा मामलों (वाई–20) पर जी20 सलाहकार मंच की दो अन्य बैठकोंका कार्यक्रम समान रूप से निराशाजनक है। भारत के किसी कदम से पाकिस्तान जैसे आतंकवाद के पनाहगाह मुल्क का बिफरना हैरानी भरा तो कतई नहीं है। वैसे देखें तो पाकिस्तान इस बात से बौखलाया हुआ है कि दुनिया के ताकतवर मुल्क के नुमाइंदे मोदी के एक बुलावे पर कश्मीर में आकर बैठक करेंगे। उसी कश्मीर में जिसका रोना वो दुनिया के हर मंच पर रो चुका है और हर जगह से उसे फटकार और दुत्कार के अलावा कुछ भी हासिल न हुआ है। फिर से रोया कश्मीर का रोना पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक

बयान में कहा कि पाकिस्तान 22–24 मई 2023 को श्रीनगर में जी–20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की बैठक आयोजित करने के भारत के फैसले पर अपना कड़ा रोष व्यक्त करता है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भारत ने इस साल जी20 की अध्यक्षता संभाली है और अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद श्रीनगर में होने वाला यह पहला अंतरराष्ट्रीय आयोजन होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों की सरासर अवहेलना और संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के उल्लंघन में जम्मू और कश्मीर के अपने अवैध कब्जे को बनाए रखने के लिए भारत का गैर–जिम्मेदार कदम है।पाकिस्तान की तरफ से जारी बयान में जम्मू कश्मीर को विवादित इलाका बताकर वो अपने ही जख्म कुरेद रहा है। पूरी दुनिया जान गई है कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। जिसमें सेकुछ हिस्से पर पाकिस्तान अवैध रूप से मौजूद है। पीओके ऐसी जगह है जैसे किसी जमीन पर बाहर से आए कुछ लोग झोपड़ी बनाकर दावा करने लगे कि ये उनकी जमीन है। भारत का बढ़ता कद पाकिस्तान और चीन जैसे देशों के लिए इन दिनों चिंता का सबब बना हुआ है। पाकिस्तान क्या चीन चीन के लिए भारत के मजबूती से बढ़ाते कदमों के बाद उस पर दबाव बना पाना कठिन होगा।

यमन में संघर्ष समाप्त करने के प्रयासों के बीच सऊदी के युवराज ने फोन पर बात की

युवराज के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के संबंध मानवाधिकारों और तेल उत्पादन संबंधी मुद्दों को लेकर तनावपूर्ण रहे हैं। हालांकि, सऊदी के नेता और राष्ट्रपति बाइडन के शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने लंबे व खूनी युद्ध को समाप्त करने के संकेतों के बीच बातचीत करने का फैसला किया। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने मंगलवार को सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के साथ फोन पर बात की। दोनों के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब यमन में सऊदी अरब और ईरान समर्थित हूती विद्रोही नौ साल से जारी संघर्ष को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। युवराज के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के संबंध मानवाधिकारों और तेल उत्पादन संबंधी मुद्दों को लेकर तनावपूर्ण रहे हैं। हालांकि, सऊदी के नेता और राष्ट्रपति बाइडन के शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने लंबे व खूनी युद्ध को समाप्त करने के संकेतों के बीच बातचीत करने का फैसला किया। सऊदी राजनयिक मोहम्मद बिन सईद अल–जबर के रविवार को यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों के साथ वार्ता के लिए मुलाकात करने के बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत हुई, जिसका उद्देश्य युद्ध को समाप्त करने के लिए वार्ता में तेजी लाना है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि सुलिवन ने युद्ध को समाप्त करने के लिए अधिक व्यापक रणनीति को आगे बढ़ाने की दिशा में ''सऊदी अरब के असाधारण प्रयासों का स्वागत किया'' और उन प्रयासों के लिए अमेरिका के पूर्ण समर्थन की पेशकश की।वार्ता की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि अगले सात से 10 दिन के भीतर एक समझौता हो सकता है।

जापान और कोरियाई प्रायद्वीप के बीच समुद्र में बैलिस्टिक मिसाइल दागी

दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने कहा कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के पास से दागी गई मिसाइल कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच गिरी। एक बयान में इस मिसाइल को मध्यम एवं लंबी दूरी का हथियार बताया गया है, लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि मिसाइल ने कितनी दूरी तय सियोल। उत्तर कोरिया ने अपने हथियारों का परीक्षण जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जो कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच गिरी। इस घटना के मद्देनजर जापान को अपने एक द्वीप के निवासियों को एहतियातन सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहना पड़ा। हालांकि, बाद में इस आदेश को वापस ले लिया गया। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने कहा कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के पास से दागी गई मिसाइल कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच गिरी। एक बयान में इस मिसाइल को मध्यम एवं लंबी दूरी का हथियार बताया गया है, लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि मिसाइल ने कितनी दूरी तय की। जापान के रक्षा मंत्री यासुकाजु हमादा ने संवाददाताओं से कहा कि उत्तर कोरिया ने संभवतरू एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया। उन्होंने कहा कि मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में नहीं पहुंची।

सीएसके के खिलाफ जीत पड़ी राजस्थान रायल्स क संजू सैमसन को भारी,

चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गए बेहद रोमांचक मुकाबले में राजस्थान की टीम ने शानदार जीत दर्ज की है। अंतिम ओवर की अंतिम गेंद तक चले इस मुकाबले में सुपर ओवर आने तक की चर्चा हो रही थी मगर इससे पहले ही राजस्थान ने जीत दर्ज कर ली। चेन्नई सुपर किंग्स को उसके गढ़ में हराने के बाद राजस्थान रॉयल्स की टीम पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। इस बेहद ही रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स की टीम ने अंतिम ओवर की अंतिम गेंद पर जीत हासिल की है। मुकाबले के अंत तक फैंस के होश उड़े रहे मगर खुश होने का मौका राजस्थान रॉयल्स को मिला। खास बात है कि चेन्नई के खिलाफ मुकाबले में जीत की खुशी राजस्थान की टीम के पास अधिक समय तक नहीं रह सकी। चेन्नई सुपर किंग्स को उसके गढ़ चेपॉक में मात देने के बाद राजस्थान रॉयल्स को लाखों रुपये के नुकसान का दर्द झेलना पड़ा है। दरअसल आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट से संबंधित नियमों के मुताबिक स्लो ओवर रेट के नियमों का राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने उल्लंघन किया है। आईपीएल के मुकाबलों में हर सीजन में इस नियम का उल्लंघन कोई ना कोई कप्तान करता ही है। इस नियम का उल्लंघन पहले रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान फाफ डु प्लेसी पर भी ये जुर्माना लगा है। चुकाने होंगे 12 लाख रुपये राजस्थान रॉयल्स की जीत में खलल बनकर एक बड़ा फाइन भी टीम पर लगा है। टीम के कप्तान संजू सैमसन की जीत की खुशी को भंग करने के लिए उनपर स्लो ओवर रेट को लेकर जुर्माना लगाया गया है। चेन्नई सुपर किंग्स से मुकाबले के बाद ये जुर्माना संजू सैमसन पर लगा है। उन्हें जुर्माने के तौर पर 12 लाख रुपये की राशि भरनी होगी। ऐसा रहा था मुकाबला आईपीएल 2023 के 17वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 3 रनों से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान की टीम ने 8 विकेट पर 175 रन बनाए। 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 172 रन ही बना सकी। राजस्थान के स्पिन गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। चेन्नई की ओर से डेवॉन कॉन्वॉय ने 38 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली। इसके अलावा अजिंक्य रहाणे 31 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, अपने 200वें में आईपीएल मुकाबले में कप्तानी कर रहे महेंद्र सिंह धोनी और रवींद्र जडेजा की जोड़ी ने आखिरी क्षणों में कोशिश जरूर की। लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। चेन्नई को अपने गृह मैदान पर हार का सामना करना पड़ा है। इस जीत के साथ जहां राजस्थान के 6 अंक हो गए तो वहीं चेन्नई सुपर किंग्स 4 मुकाबलों में से 2 में हार का सामना कर चुकी है।

सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में चोटिल हुए एमएस धोनी, अगला मैच खेलने पर संशय

चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच 12 अप्रैल को खेले गए मुकाबले में चेन्नई की टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस मुकाबले में अंतिम गेंद तक जीत की उम्मीद में चेन्नई सुपर किंग्स के फैन महेंद्र सिंह धोनी पर नजरें जमाए थे मगर टीम को जीत नहीं मिल सकी। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को हार का सामना करना पड़ा है। इस मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी ने 17 गेंदों में 32 रनों की धमाकेदार पारी खेली तो जरुर मगर वो अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो सके। महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी पारी में 3 छक्कों और एक चौके की मदद से धमाकेदारी पारी तो खेली मगर इस पारी को जीत में सफल नहीं हो सके और चेन्नई को तीन रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी अंतिम गेंद पर छक्का नहीं लगा सके और टीम को जीत नहीं मिली। मगर इस मुकाबले में हार के साथ ही कुछ ऐसा हुआ जो फैंस के लिए अधिक चिंता का विषय बन गया है। दरअसल इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी चोटिल हो गए है। इसकी जानकारी कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने दी है। उन्होंने मीडिया को बताया कि माही चोटिल हुए है, जिससे फैंस काफी परेशान हो गए है। घुटने की चोट से परेशान कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने बताया कि धोनी घुटने की चोट से परेशान हो गए है। मैच के दौरान धोनी को देखकर इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। धोनी की फिटनेस अब तक हमेशा शानदार रही है। वो अपने खेल को लेकर बेहद प्रोफेशनल है। टीम के फिजियो धोनी की फिटनेस पर ध्यान दे रहे है और उनकी चोट की निगरानी भी रखी जा रही है। वैसे ये बात सामने नहीं आई है कि महेंद्र सिंह धोनी अगला मुकाबला खेलेंगे या नहीं, मगर फैंस धोनी की चोट की जानकारी मिलने पर परेशान हो गए है।कई खिलाड़ी हैं चोटिल चेन्नई सुपर किंग्स के महेंद्र सिंह धोनी इस समय चोट से जूझ रहे है।

चार मैच गंवाने के बाद हार मान सकते हैं लेकिन इससे स्थिति और खराब होगी

दिल्ली के 173 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स ने सलामी बल्लेबाज रोहित (45 गेंद में 65 रन, छह चौके, चार छक्के) के अर्धशतक के अलावा इशान किशन (31) के साथ उनकी पहले विकेट की 71 और तिलक वर्मा (29 गेंद में 41 रन, एक चौका, चार छक्के) के साथ दूसरे विकेट की 68 रन की साझेदारी से अंतिम गेंद पर चार विकेट पर 173 रन बनाकर जीत दर्ज की। दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मंगलवार को यहां मुंबई इंडियन्स के खिलाफ छह विकेट की शिकस्त के साथ लगातार चौथी हार के बाद कहा कि उनकी टीम ऐसी शुरुआत के बाद हार मान सकती है लेकिन अगर ऐसा किया तो स्थिति और बदतर ही होगी। दिल्ली के 173 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स ने सलामी बल्लेबाज रोहित (45 गेंद में 65 रन, छह चौके, चार छक्के) के अर्धशतक के अलावा इशान किशन (31) के साथ उनकी पहले विकेट की 71 और तिलक वर्मा (29 गेंद में 41 रन, एक चौका, चार छक्के) के साथ दूसरे विकेट की 68 रन की साझेदारी से अंतिम गेंद पर चार विकेट पर 173 रन बनाकर जीत दर्ज की। दिल्ली की टीम अक्षर की 25 गेंद में पांच छक्कों और चार चौकों से 54 रन की पारी और कप्तान डेविड वार्नर (47 गेंद में 51 रन, छह चौके)के साथ उनकी छठे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी के बावजूद 19.4 ओवर में 172 रन पर सिमट गई थी। मुंबई की तरफ से अनुभवी लेग स्पिनर पीयूष चावला ने 22 जबकि जेसन बेहरेनडोर्फ ने 23 रन पर तीन–तीन विकेट हासिल किए। अक्षर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''चार हार के बाद हमारे पास दो रास्ते हैं। या तो हम मार मान सकते हैं कि हमने चार मैच गंवा दिए हैं और रन रेट भी खराब है लेकिन अगर हम ऐसा करते हैं तो चीजें और खराब ही होंगी। या फिर हम देखते हैं कि हम अपना रवैया कैसा रखते हैं और अगले मैच की तैयारी कैसे करते हैं।''उन्होंने कहा,'' हार–जीत से फर्क पड़ता है लेकिन जब हम इस तरह की स्थिति में निराश होते हैं कि चार मैच हार गए हैं, रन रेट नहीं हैं, क्वालीफिकेशन का क्या होगा तो स्थिति और खराब होती जाएगी। जो प्रदर्शन चाहिए आप वह प्रदर्शन नहीं कर पाओगे इसलिए मुझे लगता है कि अपना रवैया और सकारात्मकता काफी जरूरी है।'' वार्नर ने चार पारियों में तीसरा अर्धशतक

जड़ा लेकिन वह अपने चिरपरिचित आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे हैं जो टीम के लिए चिंता का विषय है। अक्षर ने कहा, ''वार्नर रन बना रहा है लेकिन काफी कोशिश करने के बावजूद तेजी से रन नहीं जुटा पा रहा है। मुझे नहीं पता कि उनके दिमाग में क्या चल रहा है लेकिन टीम प्रबंधन और कोच ने भी उनसे बात की है।''बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजे जाने की संभावना पर अक्षर ने कहा कि निचले क्रम में भी ऐसे बल्लेबाज की जरूरत है जो तेजी से रन बना सके और टीम के लिए अच्छे फिनिशर की भूमिका निभाए। उन्होंने कहा, ''इस क्रम (सातवें नंबर) पर आकर भी मुझे 10 से 12 ओवर खेलने का मौका मिल रहा है जो मुझे लगता है कि टी20 में मेरे लिए पर्याप्त है। टीम प्रबंधन से बल्लेबाजी क्रम को लेकर चर्चा की है लेकिन अगर मैं ऊपर खेला और जल्दी आउट हो गया तो शायद पारी के अंत में तेजी से रन जुटाना मुश्किल हो जाए।'' अक्षर ने कहा कि टीम के पास पर्याप्त अनुभव वाले घरेलू खिलाड़ी हैं लेकिन टीम एकजुट होकर प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा, ''हमारे घरेलू खिलाड़ियों को अनुभव है। यश धुल अंडर–19 खेला है और ललित यादव दो–तीन साल से लगातार दिल्ली के लिए खेल रहा है।

गर्मियों में बनाकर पीएं ये 5 स्वादिष्ट मोजितो, आसान है इनकी रेसिपी

गर्मियां आ चुकी हैं और इस दौरान शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप पानी के साथ–साथ विभिन्न मोजितो को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं, जो न केवल आपकी प्यास बुझाएंगे, बल्कि आपको स्वस्थ भी रखेंगे। मोजितो बनाते समय रम का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन यदि आप शराब से बचना चाहते हैं तो आज हम आपको विभिन्न फलों और जड़ी–बूटियों से बनाए जाने वाले मोजितो की रेसिपी बताते हैं। वॉटरमेलन मोजितो यह रसदार तरबूज, खट्टे नींबू और ताजे पुदीने का एक उत्तम मिश्रण है। इस मोजितो को बनाने के लिए तरबूज के टुकड़ों को ब्लेंडर में ब्लेंड करें और फिर इसे छान लें। अब एक गिलास में नींबू का रस, पुदीने के पत्ते और थोड़ी–सी चीनी या शहद डालकर अच्छे से मिलाएं, फिर इसमें बर्फ डालें और इसके ऊपर तरबूज का रस डालें। इसके बाद गिलास में सोडा पानी डालें, फिर इसमें तरबूज के कुछ छोटे टुकड़े डालकर इन्हें परोसें। कुकुम्बर मिंट मोजितो यह गर्मियों के लिए एक बेहतरीन ड्रिंक है। इस मोजितो को बनाने के लिए एक गिलास में खीरे के टुकड़े, पुदीने के पत्ते और नींबू का रस डालकर अच्छे से मसलें। अब इसमें बर्फ और सोडा पानी डालकर मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं। अंत में गिलास के किनारे पर खीरे की एक स्लाइस लगाएं और इसके बीच पुदीने के पत्ते डालकर ड्रिंक का सेवन करें। पाइनएप्पल कोकोनट मोजितो क्लासिक मोजितो पर यह ट्रॉपिकल ट्विस्ट उन लोगों के लिए एकदम सही है, जो नारियल और अनानास के स्वाद को पसंद करते हैं। इसे बनाने के लिए अनानास के टुकड़े और नारियल के दूध को एक साथ ब्लेंड करें, फिर इस मिश्रण को छान लें और इसे एक गिलास में नींबू के रस, पुदीने के पत्तों और थोड़ी–सी चीनी के साथ मिलाएं। अब इसमें बर्फ डालें और ऊपर से सोडा पानी डालकर इसे परोसें। ब्लूबेरी बेसिल मोजितो यह मोजितो खट्टे–मीठे स्वाद से भरपूर ब्लूबेरी और तुलसी का एक आदर्श मिश्रण है। इसे बनाने के लिए एक गिलास में ब्लूबेरी, तुलसी के पत्ते, नींबू का रस और चीनी को एक साथ डालकर मसलें। अब इसमें बर्फ और सोडा पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद इसमें कुछ ब्लूबेरी और एक तुलसी का पत्ता

डालकर इसे परोसें। मोजितो के अलावा घर पर ब्लूबेरी से तरह–तरह के व्यंजन बना सकते हैं।मैंगो जिंजर मोजितो इस मोजितो में अदरक के साथ मसालेदार ट्विस्ट होता है। इसे बनाने के लिए आम के टुकड़ें और अदरक को ब्लेंडर में डालकर ब्लेंड कर लें, फिर इस मिश्रण को छान लें और इसे एक गिलास में नींबू के रस, पुदीने के पत्ते और थोड़ी–सी चीनी के साथ मिलाएं। अब इसमें बर्फ और ऊपर से सोडा पानी डालें, फिर इसमें आम के टुकड़े और पुदीने के कुछ पत्ते डालकर इसे परोसें।

आक्रामक बल्लेबाजी और तूफानी गेंदबाजी

इंग्लैंड ने अपने नए कोच ब्रैंडन मैकुलम की अगुवाई में टेस्ट मैचों में आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति अपनाई जिसके उसे सकारात्मक परिणाम मिले और वह 12 में से 10 मैचों में जीत दर्ज करने में सफल रहा। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान और चेन्नई सुपरकिंग्स के ऑल राउंडर बेन स्टोक्स इस साल होने वाली एशेज श्रृंखला के दौरान आक्रामक बल्लेबाजी की

नानी की फिल्म ने अमेरिका में उड़ाया गर्दा, 2 मिलियन डालर क्लब में मारी धांसू एंट्री

साउथ फिल्म स्टार नानी और कीर्थि सुरेश स्टारर निर्देशक श्रीकांत ओडेला की हालिया रिलीज फिल्म दसरा बॉक्स ऑफिस पर धांसू कमाई में बिजी है। फिल्म को रिलीज हुए 12 दिन पूरे हो चुके हैं। इन 12 दिनों में फिल्म दसरा ने शानदार कमाई करते हुए वर्ल्डवाइड स्तर पर करीब 100 करोड़ रुपये की कुल कमाई का आंकड़ा पार किया है। जबकि, फिल्म इंडियन बॉक्स ऑफिस पर अब तक करीब 75 करोड़ रुपये अपने नाम कर चुकी है। दिलचस्प बात ये है कि इस क्रिटिकल एक्कलेम फिल्म को देश ही नहीं, विदेशी बाजारों में भी खासा पसंद किया जा रहा है। फिल्म ने अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर कमाई के जबरदस्त आंकड़े हासिल किए हैं। अब तक फिल्म धुआंधार कमाई करते हुए अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर 2 मिलियन डॉलर क्लब में शामिल हो चुकी है।

नानी की फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़ें ट्रेड एक्सपर्ट तरण आदर्श ने शेयर किए हैं। फिल्म की कमाई के बारे में लेटेस्ट अपडेट देते हुए उन्होंने लिखा, दसरा ने नॉर्थ अमेरिका में 2 मिलियर डॉलर की कुल कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। दसरा बॉक्स ऑफिस पर अपनी कमाई की रफ्तार बनाए हुए है। नानी की क्रिटिकली एक्कलेम और कमर्शियल सक्सेसफुल फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में आखिरकार 2 मिलियन डॉलर कमाई का बड़ा आंकड़ा हासिल कर लिया है। सबसे खास बात ये है कि इसी के साथ नानी पहली दफा 2 मिलियन डॉलर कमाई के आंकड़ें के क्लब में शामिल हो पाए हैं। दिलचस्प बात ये है कि नानी और कीर्थि सुरेश की ये फिल्म भी रॉ और रस्टिक ग्रामीण बैकग्राउंड पर बनी है। जिसमें नानी का लुक काफी हद तक अल्लू अर्जुन की पुष्पा से मिलता है। इसके अलावा फिल्म इतनी देसी है कि ये पुष्पा की याद बार–बार दिलाती है। यही वजह है कि नानी की दसरा की लगातार तुलना पुष्पा से होती रही। मक्खी स्टार नानी ने अपनी इस फिल्म का पूरे देश में जबरदस्त प्रमोशन किया था। बावजूद इसके फिल्म हिंदी बेल्ट में लोगों को इंप्रेस करने में खास सफल नहीं हुई। जिसकी

वजह से फिल्म हिंदी बॉक्स ऑफिस पर खास अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। फिल्म ने हिंदी सर्किट में बीते 12 दिनों में कुल 2 करोड़ रुपये की ही कुल कमाई हासिल की है।

हिंदी फिल्मों के गोल्डन एरा से भरी हुई है फिल्म जुबली

कई बार लोगों को इंडियन सिनेमा के सुनहरे दौर की बात करते सुन लिया है. खासकर तब जब आमने–सामने दो सिनेमा लवर्स हों. कई बार ये बातें सुनकर सिनेमा को तकरीबन से जानने की चाह होती है. मन में आज के सिनेमा और गोल्डन एरा को लेकर कई प्रश्न भी उठ गए है. अगर ऐसा है, तो आपके सवालों के जवाब जुबली की कहानी में छिपे हुए है. जुबली अमेजन प्राइम की नई सीरीज है. सीरीज की कहानी 1940ह्य के सिनेमा की जादुई दुनिया को भी पेश कर रही है. गोल्डन एरा को दिखाती जुबली जुबली की कहानी हिंदी सिनेमा के गोल्डन एरा के साथ–साथ बंटवारे के मंजर को बयां कर रही है. ये कहानी है टॉकीज के दौर की बताई जा रही है. श्रीकांत रॉय (प्रोसेनजित चटर्जी), रॉय टॉकीज को ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं. इसके लिए उन्हें एक नए चेहरे मदन कुमार की तलाश है. ये तलाश जमशेद खान (नंदीश संधू) पर आकर समाप्त हो चुकी है. कई ऑडिशन के उपरांत श्रीकांत रॉय को जमशेद खान के तौर पर हिंदी सिनेमा का मदन कुमार को मिल जाता है. जमशेद खान एक थिएटर आर्टिस्ट, स्ट्रगलिंग और टैलेंटेड अभिनेता है, जिसे मदन कुमार के तौर पर लॉन्च करने की घोषणा की है. पर जमशेद कशमकश में है. उसे श्रीकांत की पत्नी और रॉय टॉकीज की आधी मालकिन सुमित्रा कुमार (अदिति राव हैदरी) से प्यार भी हो ही जाता है सुमित्रा अपनी शादीशुदा लाइफ में बिलकुल भी खुश नहीं है. श्रीकांत रॉय को पता है कि सुमित्रा और जमशेद एक–दूसरे से प्यार करते हैं श्रीकांत रॉय अपने वफादार स्टूडियो कर्मी बिनोद दास (अपारशक्ति खुराना) को जमशेद और सुमित्रा को साथ लाने के लिए बोलते है.

ब्रेकअप के बाद और भी ज्यादा खूबसूरत हो गई तारा सुतरिया

बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया अपनी फिल्मों के अलावा अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए भी पहचानी जाती है. तारा की सिजलिंग अदाएं फैंस को उनका दीवाना भी बना लेती है. अभिनेत्री अपने ब्रेकअप के उपरांत से ही निरंतर सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं. सोशल मीडिया यूजर्स का तो ये भी कहना है कि तारा ब्रेकअप के उपरांत और भी अधिक ग्लैमरस हो गई हैं. उनकी खूबसूरती का मुकाबला कर पाना हर किसी के बस की बात नहीं. तारा ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों के माध्यम से इस बात को साबित भी कर दिया है. तस्वीर में तारा ग्रीन फ्लोरल प्रिंट कलर की बिकिनी पहने हुए दिखाई दे रही है. इस तस्वीर में तारा का फिट फिगर साफ–साफ फ्लॉन्ट हो रहा है. अभिनेत्री का डीपनेक श्रृग फैंस को दिल घायल करने का काम कर रहे है. एक्ट्रेस की फोटो ने यूजर्स को कमेंट करने पर मजबूर कर दिया है. तारा की बिकिनी वाली ये तस्वीर सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है.इस फोटो पर यूजर्स कमेंट करते हुए तारा की तारीफ के पुल बांध कर रहे हैं. वहीं कुछ यूजर्स तारा का कातिलाना अंदाज देख उन्हें सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद से कंपेयर करने लगे है. एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है कि, उर्फी को तो यूं ही बदनाम किया जा रहा है. उर्फी जावेद भी अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए कापी मशहूर हैं. उनका फैशन सेंस तो सभी ने देखा है. हालांकि अधिकतर यूजर्स ने तारा की तारीफ में ब्यूटीफूल, स्टनिंग, सिजलिंग जैसे शब्दों का उपयोग किया है.

क्रिकेट के बाद सिने निर्माण में उतरे धोनी, जारी किया एलजीएम का पोस्टर

कैप्टन कूल के नाम से ख्यात टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी इन दिनों अपने आईपीएल के चलते चर्चाओं में हैं। बताया जा रहा है कि आईपीएल का यह सीजन उनका क्रिकेट करियर का आखिरी सीजन होने जा रहा है। टी–20, वनडे और टेस्ट से संन्यास ले चुके धोनी आईपीएल के लिए यह आखिरी सीजन खेल रहे हैं। अपने क्रिकेट करियर को पूरी तरह से समाप्त करने से पूर्व ही उन्होंने अपने लिए दूसरा करियर चुन लिया। धोनी ने फिल्म निर्माण का कार्य शुरू कर दिया है। आज उन्होंने अपनी पहली तमिल फिल्म एलजीएम का पहला पोस्टर जारी किया। महेंद्र सिंह धोनी और साक्षी धोनी ने उनके प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म एलजीएम का लुक पोस्टर रिलीज किया है। जनवरी में क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी ध ोनी ने बताया था कि वो जल्द ही अपने होम बैनर धोनी एंटरटेनमेंट के साथ फिल्म प्रोड्यूस करने वाले हैं। प्रोडक्शन के अंडर बनी पहली फीचर फिल्म का टाइटल एलजीएम है। एलजीएम का मतलब– लेट्स गेट मैरिड! ये एक तमिल फिल्म है।महेंद्र सिंह धोनी ने सोशल मीडिया पर फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया। पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा– मुझे एलजीएम का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए खुशी हो रही है। एक फील गुड फैमिली एंटरटेनर फिल्म के लिए तैयार हो जाईए! ये फिल्म आप सब के चेहरे पर मुस्कान लेकर आएगी। धोनी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से पूरी टीम को फिल्म के लिए ऑल द बेस्ट!फिल्म को प्रोड्यूस करने के अलावा धोनी ने इस फिल्म का कांसेप्ट भी तैयार किया है। ये कॉमेडी ड्रामा फिल्म एक मां और एक कपल के बीच के ड्रामा पर बेस्ड होगी। 27 जनवरी को फिल्म लॉन्च हुई थी। इस मौके पर साक्षी ने कहा था कि वो ऐसी ही और स्टोरी फिल्माने की तैयारी में हैं, जिनमें कोई मीनिंग भी हो। इस तमिल मूवी में प्यार प्रेम कढहल और बिग बॉस तमिल फेम हरीश कल्याण लीड रोल प्ले करेंगे। वहीं फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर लव टुडे की इवाना नजर आएंगी। यस्टरडे की स्टार नादिया फिल्म में एक इम्पोर्टेन्ट रोल प्ले करेंगी। इस फिल्म को रमेश तामिलमणि ने निर्देशित किया है। निर्देशक के तौर पर उनकी पहली फिल्म होगी।

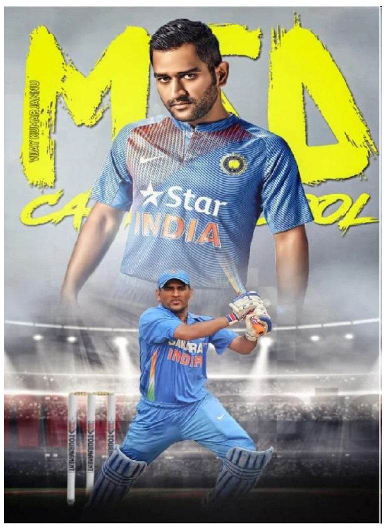

रीदेवी ने मुझे हमेशा प्रेरित किया अमरीन कुरैशी

फिल्म निर्माता और निर्माता साजिद कुरैशी की बेटी अमरीन कुरैशी, जो राजकुमार संतोषी की श्बैड बॉयश्र से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, ने कहा कि दिवंगत बॉलीवुड अभिनेत्री श्रीदेवी हमेशा से एक अभिनेत्री के रूप में उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा रही हैं। अमरीन ने कहा रू हैदराबाद से आने के बाद मैं श्रीदेवी मैम की बहुत सारी फिल्में देखा करती थी। मैं हमेशा उनके करिश्मे और विविध भावों से प्रभावित रही हूं।

अमरीन ने कहा कि उन्होंने श्नगीनाश्र की अभिनेत्री से उनके अभिनय कौशल, उनकी पसंद की परियोजनाओं और एक व्यक्ति के रूप में भी बहुत कुछ सीखा है।

अमरीन ने कहा, उन्होंने हमेशा अपनी फिल्मों के विकल्पों और अपने सभी प्रतिष्ठित गीतों में अपने प्रदर्शन के माध्यम से मुझे प्रेरित किया है। मैंने सुना है कि वह ऑफ स्क्रीन कितनी रिजर्व रहती थीं और एक व्यक्ति के रूप में मैं ऐसी ही हूं, इसलिए मैं उनसे व्यक्तिगत स्तर पर भी जुड़ी रही हूं। इस फिल्म से मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमाशी चक्रवर्ती भी डेब्यू कर रहे हैं।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक कपिल देव शुक्ला द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं0:25 लोलेपुर सुलतानपुर उ0.प्र0. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट,पो0 व थाना कूरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ0प्र0) से प्रकाशित सम्पादक : **कपिल देव शुक्ला**, मो0 9415739288, 9721748962 सह संपादक : **अंकित "राधे"**
E-mail: kdshukla.79@gmail.com, वेबसाईट : www.kdnewslive.in समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।